दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
प्रेम का रसपान कराने के लिए कृष्ण ने की अदभुत लीला...।

वर्ष - 17, अंक - 22 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 04 से 10 सितम्बर 2026 | पृष्ठ - 8, मूल्य-रू. 3:00/-

झीरम घाटी हमले में 13 साल बाद आया ऐतिहासिक फैसला, 10 दोषी करार

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित झीरम घाटी नक्सल हमले के करीब 13 साल पुराने मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने मामले के सभी 10 बचे हुए आरोपियों को दोषी करार दिया है। 25 मई 2013 को हुए इस भीषण हमले में कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं समेत 32 लोगों की जान चली गई थी।

रायपुर/जगदलपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के इतिहास के सबसे काले और दहला देने वाले अध्यायों में से एक, झीरम घाटी नक्सल हमले के मामले में आखिरकार न्याय की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। एनआईए की विशेष अदालत ने करीब 13 साल पुराने इस मामले में शनिवार को अहम फैसला सुनाते हुए 10 आरोपियों को दोषी करार दिया है। लंबे समय से फैसले का इंतजार कर रहे पीड़ित परिवारों और समर्थकों के लिए यह एक महत्वपूर्ण निर्णय है।

25 मई 2013 को हुआ था नरसंहार

यह वीभत्स घटना 25 मई 2013 की है, जब कांग्रेस पार्टी की 'परिवर्तन यात्रा' के दौरान दरभा की झीरम घाटी में नक्सलियों ने घात लगाकर सुनियोजित हमला किया था। इस भीषण नक्सल हमले में तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 32 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना के दो दिन बाद 27 मई 2013 को केंद्र सरकार ने इस मामले की जांच एनआईए को सौंपी थी।

150 से अधिक लोगों पर दर्ज थी एफआईआर

एनआईए ने 40 मुख्य आरोपियों समेत 150 से अधिक लोगों पर एफआईआर दर्ज की थी, जिनमें से 11 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। सुनवाई के दौरान एक आरोपी की मौत हो गई थी, जबकि शेष 10 आरोपी हिरासत में थे। इस केस में अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 101 गवाहों के बयान दर्ज किए गए थे। एनआईए ने सिर्फ 11 लोगों को गिरफ्तार किया था, जबकि कई फरार आरोपियों पर लाखों रूपए का ईनाम घोषित था।

अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए 10 आरोपियों के नाम

प्रमिला मोडियम	आयत मरकाम
चैतु लेकाम उर्फ मुन्ना	मड़कामी देवा
सुमित्रा उर्फ सुमित्रा पुनेम मोडियम	जोग मड़कामी
मुक्का मांडवी	बंजमी सेना उर्फ चमरू उर्फ देंगा
कोसा कवासी उर्फ कोसाराम	महादेव

भूपेश ने कहा-यह अधूरा न्याय है

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एनआईए कोर्ट के फैसले को अधूरा न्याय बताया और कहा कि निचले कैडर के सिर्फ 10 नक्सलियों को दोषी करार दिया गया है, जिसे पूर्ण न्याय नहीं माना जा सकता। सच यही है कि झीरम के पीछे रचे गए राजनीतिक षड़यंत्र की जांच आज तक नहीं हुई।

16 सितम्बर को होगा सजा का ऐलान

झीरम हत्याकांड मामले में एनआईए के विशेष न्यायालय में अंतिम सुनवाई के बाद 10 नक्सलियों को दोषी करार दिया और फैसला सुरक्षित रख लिया। एनआईए की कोर्ट 16 सितम्बर को दोषी नक्सलियों को सजा सुनाएगी। तीन दिन में 12 घंटे चली बहस के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया।

कोड़ातराई में 1.21 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा पीएम श्री स्कूल भवन

रायगढ़ (दिव्य आकाश)।

शिक्षक दिवस के अवसर पर वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखंड अंतर्गत कोड़ातराई में पीएम श्री स्कूल भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। करीब 1.21 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस स्कूल भवन में विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण के साथ आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। भवन निर्माण पूर्ण होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा के लिए बेहतर अधोसंरचना प्राप्त होगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि वर्तमान तकनीकी दौर में विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करना जरूरी है। शिक्षक बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखें, बल्कि उनमें नई सोच, जिज्ञासा, सवाल पूछने और नवाचार की भावना विकसित करें।

सकरबोगा में ग्रामीणों से सीधा संवाद, सुनीं समस्याएं

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने शनिवार सुबह रायगढ़ जिले के सकरबोगा गांव पहुंचकर ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं और स्थानीय जरूरतें सुनीं। उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए क्षेत्र की प्राथमिक आवश्यकताओं की जानकारी ली और विकास कार्यों को स्थानीय जरूरतों के अनुरूप आगे बढ़ाने की बात कही। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष पुसौर श्रीमती हेमलता हरिशंकर चौहान, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती भाग्यवती डोलनारायण नायक, जनपद पंचायत सदस्य गोपी चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण से कांकेर जिले के 24 शिक्षक सम्मानित

कांकेर (दिव्य आकाश)।

शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला पंचायत कांकेर में मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण शिक्षक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जिले के 24 शिक्षकों को उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इनमें प्राथमिक शालाओं के 21 शिक्षकों को शिक्षा दूत पुरस्कार तथा माध्यमिक शालाओं के 03 शिक्षकों को ज्ञानदीप पुरस्कार प्रदान किया गया। शिक्षा दूत पुरस्कार के लिए जिले के प्रत्येक विकासखंड से 03-03 शिक्षकों का विकासखंड स्तर पर चयन किया गया था। इसी प्रकार ज्ञानदीप पुरस्कार के लिए माध्यमिक शाला के 03 शिक्षकों का जिला स्तर पर चयन किया गया। शिक्षा दूत पुरस्कार से सम्मानित प्रत्येक शिक्षक को 5 हजार रुपये तथा ज्ञानदीप पुरस्कार से सम्मानित प्रत्येक शिक्षक को 7 हजार रुपये की नगद पुरस्कार राशि के साथ प्रशस्ति पत्र मोमेन्टो प्रदान की गई। इस प्रकार कुल 24 शिक्षकों को सम्मानित करते हुए 1 लाख 26 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण शिक्षक पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक कांकेर आशाराम नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण से सम्मानित होना शिक्षकों के लिए गौरव की बात है। शिक्षक बच्चों को गढ़ने का काम करते हैं और आज के कार्यक्रम में बच्चों के भविष्य को गढ़ने वाले शिक्षकों का सम्मान किया जा रहा है।

शिक्षिका सुनीता यादव को प्रदान किया राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिला संवाद का अवसर

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (दिव्य आकाश)।

शिक्षक दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ से वर्ष छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान के लिए चयनित होने वाली सुनीता यादव एकमात्र शिक्षिका हैं। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के लिए आज गौरव का ऐतिहासिक क्षण रहा। जिले के बरमकेला विकासखंड के शासकीय प्राथमिक विद्यालय खिचरी की शिक्षिका श्रीमती सुनीता यादव को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया।

देशभर के चयनित स्कूली शिक्षकों को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान, नवाचार और विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव के लिए प्रदान किया गया। विज्ञान भवन में आयोजित गरिमामय समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने सुनीता यादव को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर चयनित शिक्षकों के अनुकरणीय कार्यों पर आधारित लघु वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किए गए। सुनीता यादव को पीएम मोदी से संवाद का अवसर मिला।

खेल-खेल में शिक्षा तथा नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाया

सुनीता यादव ने सीमित संसाधनों वाले ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि साहित्य, तकनीक, रचनात्मकता और अनुभव आधारित गतिविधियों को शिक्षण का माध्यम बनाया। कक्षा के अंतिम पायदान पर रहने वाले बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उन्होंने निरंतर प्रयास किए और बच्चों में सीखने की रुचि विकसित करने के लिए खेल-खेल में शिक्षा तथा नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाया।

सुखदेव भगत छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नए प्रभारी नियुक्त

सचिन पायलट पंजाब, भूपेश बघेल असम के प्रभारी बने

रायपुर, एजेंसी।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने छह राज्यों में पार्टी की कमान नए हाथों में दी है। इस क्रम में छत्तीसगढ़ कांग्रेस का प्रभारी लोहरदगा से सांसद सुखदेव भगत को बनाया गया है।

दूसरी ओर सचिन पायलट को पंजाब और भूपेश बघेल को असम की कमान सौंपी गई, जबकि रणदीप सुरजेवाला को गुजरात के साथ कर्नाटक की अतिरिक्त जिम्मेदारी मिली है। ज्ञात हो इसी वर्ष गुजरात और पंजाब में चुनाव होने हैं।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी सिरीवेल्ला प्रसाद को प्रमोट करते हुए महाराष्ट्र का प्रभारी बनाया गया है। सिरीवेल्ला को पिछले कुछ वर्षों में किए गए बेहतर कार्यों के लिए अब जाकर इनाम मिला है।

कांग्रेस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, भूपेश बघेल को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का महासचिव प्रभारी, असम नियुक्त किया गया है।

रणदीप सिंह सुरजेवाला को गुजरात का महासचिव प्रभारी बनाया गया है। सचिन पायलट को पंजाब का महासचिव प्रभारी नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा डॉ. सिरीवेल्ला प्रसाद को महाराष्ट्र और पी. वी. मोहन को आंध्र प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है।

एआई के युग में शिक्षक बनें विद्यार्थियों के मार्गदर्शक, तकनीक के विवेकपूर्ण उपयोग की दें सीख : राज्यपाल डेका

रायपुर (दिव्य आकाश)।

राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शिक्षक दिवस के अवसर पर लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समारोह में वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश के 63 उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। चार उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य शिक्षक सम्मान स्मृति पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने वर्ष 2026-27 के राज्य शिक्षक सम्मान के लिए चयनित 64 शिक्षकों के नामों की घोषणा भी की।

समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में शिक्षा और शिक्षक की भूमिका भी व्यापक हो रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस दौर में शिक्षकों और विद्यार्थियों का नई तकनीकों से परिचित होना आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी तकनीक का विवेकपूर्ण, जिम्मेदार और मानवीय मूल्यों के अनुरूप उपयोग है। उन्होंने कहा कि,द्ध हमारा सहायक बने, हमारा नियंत्रक नहीं। शिक्षक विद्यार्थियों को तकनीक का उपयोग ज्ञान अर्जित करने, नवाचार करने और अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए प्रेरित करें।

63 शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार, 04 को स्मृति सम्मान

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि आज गूगल और डिजिटल तकनीक के माध्यम से हमारे पास सूचनाओं का विशाल संसार उपलब्ध है। इसके बावजूद हमें यह ध्यान रखना होगा कि तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता स्वतंत्र चिंतन और बौद्धिक विकास को प्रभावित न करे। दुनिया के अनेक देशों में विद्यार्थियों द्वारा स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर गंभीर विचार-विमर्श हो रहा है। तकनीक हमें जानकारी उपलब्ध करा सकती है, लेकिन संस्कार, संवेदना, अनुशासन, प्रेरणा और जीवन की सही दिशा गुरु से ही मिलती है। इसलिए बदलते समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने देश की शिक्षा व्यवस्था को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित, बहुभाषी और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार किया है। आने वाले समय में शिक्षा के स्वरूप में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में शिक्षकों को निरंतर अपने ज्ञान और कौशल को अद्यतन करना होगा। साथ ही विद्यार्थियों की रुचि और प्रतिभा को पहचानकर उन्हें सही विषय और करियर चुनने में मार्गदर्शन देना होगा। विद्यार्थियों की काउंसलिंग भी शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका का हिस्सा है।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षण केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि एक महान और गरिमामय दायित्व है। शिक्षक अपने ज्ञान के साथ-साथ अपने आचरण से भी विद्यार्थियों को शिक्षित करते हैं। बच्चे अपने शिक्षकों को आदर्श के रूप में देखते हैं, इसलिए शिक्षकों को अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ निर्वहन करना चाहिए। प्रत्येक विद्यार्थी कैसे आगे बढ़े, उसकी प्रतिभा कैसे निखरे और उसका भविष्य कैसे बेहतर बने, यह शिक्षक की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अपने विद्यार्थी जीवन की स्मृतियां साझा करते हुए राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि शिक्षक दिवस उन्हें प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की अपनी यात्रा की याद दिलाता है। पहले शिक्षक और विद्यार्थी के बीच आदर, आत्मीयता और विश्वास का अत्यंत गहरा संबंध होता था। सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षक पूरी सेवा भावना और समर्पण के साथ विद्यार्थियों का भविष्य संवारते थे। यही समर्पण और आत्मीयता शिक्षक-विद्यार्थी संबंध की वास्तविक शक्ति है।

उन्होंने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता। शिक्षक विद्यार्थी के व्यक्तित्व, सोच और भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षक अपने विद्यार्थियों की रुचि, क्षमता और विशेष प्रतिभा को पहचानें तथा उन्हें जीवन में सही दिशा चुनने के लिए प्रेरित करें।

युक्तियुक्तकरण के बाद प्रदेश में अब एक भी स्कूल शिक्षकविहीन नहीं - मुख्यमंत्री साय

कहा कि भारत की शिक्षा परंपरा अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली रही है। हमारे यहां शिक्षा का उद्देश्य कभी केवल डिग्री या नौकरी प्राप्त करना नहीं रहा, बल्कि व्यक्ति को ज्ञानवान, संस्कारवान, सक्षम और जिम्मेदार नागरिक बनाना रहा है। ऐसी शिक्षा ही व्यक्ति को समाज और राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और प्रत्येक बच्चे तक बेहतर शैक्षणिक अवसर पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। युक्तियुक्तकरण के बाद प्रदेश में अब एक भी स्कूल शिक्षकविहीन नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करते हुए शिक्षा को संस्कार, कौशल और रोजगार से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

राजनीति में उभरता सितारा सूरज का पाली में जन्मदिन पर दिखा जलवा:शुभचिंतकों ने जन्मोत्सव को बनाया ऐतिहासिक

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत एवं कोरबा सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत का सुपुत्र सूरज महंत का 01 सितम्बर को जन्म दिन था और इस साल उनके जन्म दिन को पाली के कांग्रेस नेताओं ने ऐतिहासिक बना दिया। प्रमुख रूप से प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं सांसद प्रतिनिधि प्रशांत मिश्रा के आयोजकत्व में सूरज महंत के जन्म दिन को खास और ऐतिहासिक बनाया गया।

सूरज महंत राजनीति का एक उभरता सितारा है और वे अपने पिता डॉ. चरणदास महंत, माता सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत की विरासत को आगे बढ़ाने अब अपने माता-पिता से राजनीति के गुर सिख रहे हैं। इस बार सांसद श्रीमती महंत ने अपने पुत्र के जन्मोत्सव कार्यक्रम को पाली में रखने का मन बनाया। पाली के कांग्रेस नेताओं के अनुनय पर सूरज का जन्मोत्सव पाली में भव्य रूप से मनाया गया। सूरज के जन्म दिन को खास बनाने में प्रशांत मिश्रा के नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लिया भोलेनाथ का आशीर्वाद

सूरज महंत का 01 सितम्बर की पहली सुबह माँ ज्योत्सना के श्रीचरणों को प्रणाम करने के बाद उनका पग भगवान भोलेनाथ पाली के ऐतिहासिक शिव मंदिर की ओर बढ़ा और वहां पहुंचकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की समृद्धि के लिए प्रार्थना की। सूरज के साथ पाली के कांग्रेस नेता बड़ी संख्या में मौजूद थे।

सीएचसी में फल वितरण, मरीजों का जाना हालचाल

मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद सूरज महंत का काफिला सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाली पहुंचा, जहां पर सूरज महंत एवं कांग्रेस नेताओं ने मरीजों के बीच पहुंचकर फल वितरण किया। सूरज महंत ने मरीजों का हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सूरज महंत एवं कांग्रेस नेताओं ने सीएचसी के संसाधनों का भी अवलोकन किया।

मंगल भवन में जुटे हजारों कार्यकर्ता

आध्यात्मिक एवं सामाजिक सेवा कार्यों के बाद मंगल भवन में सामूहिक कार्यक्रम रखा गया, जहां हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक उपस्थित हुए। सूरज महंत एवं सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत के कार्यक्रम में पहुंचने के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया और फूल वर्षा के साथ महामाला से पुत्र-माँ का आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत से सूरज-ज्योत्सना अभिभूत हुए और सभी का अभिवादन किया। विशाल केक काटा गया और सभी का मुंह मीठा किया गया। सूरज का भव्य जन्म दिन कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप दिया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख हस्तियों में प्रशांत मिश्रा (प्रदेश महासचिव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़), मोहित राम केरकेट्टा (पूर्व विधायक, पाली-तानाखार), नवीन सिंह (पूर्व सदस्य, श्रम कल्याण), दुलेश्वरी सिदार (पूर्व विधायक प्रत्याशी), मनोज चौहान (जिला अध्यक्ष, ग्रामीण कोरबा), कौशल सिंह नेटी (जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि), यशवंत लाल (पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष, पाली), सत्यनारायण पैकरा (ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, पाली), दीपक जायसवाल (पूर्व पार्षद / मंडल अध्यक्ष, पाली), तनवीर अहमद (प्रदेश सचिव), अनिल गुप्ता (जिला महामंत्री), जुनेद खान (जिला महामंत्री), अमित भदौरिया (सांसद प्रतिनिधि), जफर खान (सांसद प्रतिनिधि), सत्यनारायण श्रीवास (जिला उपाध्यक्ष), अमरनाथ कंवट (जिला उपाध्यक्ष), अजय सैनी (जिला सचिव), डी.के. आदिले (जिला सचिव), भोला गोस्वामी (ब्लॉक अध्यक्ष, पूरी), जगत पाल (ब्लॉक अध्यक्ष, असम), सुकालू पटेल (मंडल अध्यक्ष), त्रिभुवन पैकरा (मंडल अध्यक्ष, लाफा), निलेश यादव (मंडल अध्यक्ष, रजकम्मा), डॉली डिक्सेना (उपसरपंच), गिरजा पैकरा (सरपंच, केराझरिया), रामकुमार मरावी (सरपंच) के अलावा रामनारायण कश्यप, सुखलाल जायसवाल, सुरेश गुप्ता, सावित्री श्रीवास, दिलीप सिंह, बृजपाल राज, अशोक मिश्रा, प्रशांति सिंह, सरवन दास, श्यामू सलाम, आमोद भारिया सहित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अनेक पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं पाली-तानाखार विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने सूरज के जन्म दिन को खास बना दिया।

जनता का दुलार महंत परिवार की सबसे बड़ी पूंजी-सूरज

स्वयं के जन्मोत्सव को खास बनाने वाले कार्यकर्ताओं की आभार व्यक्त करते हुए सूरज महंत ने कहा कि महंत परिवार जनता के सुख-दुख में हमेशा से साथ रहा है। यही कारण है कि जनता का दुलार और विश्वास महंत परिवार का बना रहा है और महंत परिवार के लिए यह सबसे बड़ी पूंजी है। भविष्य में भी महंत परिवार पर जनता का विश्वास और दुलार बना रहे, यही मेरी कामना है।

यशस्वी और तेजस्वी बने सूरज महंत -प्रशांत मिश्रा

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं जिले के कद्दावर नेता तथा चरणदास महंत का राइट हैण्ड कहे जाने वाले प्रशांत मिश्रा ने सूरज महंत के जन्मदिन पर अपना शुभकामना संदेश में कहा और सूरज को बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि सूरज यशस्वी और तेजस्वी बने और क्षेत्र की सेवा के लिए ईश्वर उन्हें नई ऊर्जा के साथ राजनीति में शिखर प्रदान करे।

माता बहादुर कलारिन सम्मान वर्ष 2026 हेतु नामांकन 25 सितंबर तक आमंत्रित

कोरबा (दिव्य आकाश)।

राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष, नारी उत्थान हेतु अभूतपूर्व कार्य करने वाली महिला को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से 'माता बहादुर कलारिन सम्मान' प्रदान किया जाता है। जिसके तहत् एक महिला को 2.00 लाख रूपए की राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका सम्मान के रूप में प्रदान किया जाता है। जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित स्क्रीनिंग समिति द्वारा छान-बीन के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियां राज्य शासन को भेजी जायेगी। आवेदन पत्र 25 सितम्बर 2026 तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग कोरबा में निर्धारित प्रारूप में जमा किया जा सकता है। निर्धारित प्रारूप हेतु कार्यालय के नोटिस बोर्ड में अवलोकन किया जा सकता है, एवं प्रारूप कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकता है।

सेवा सेतु ने आसान की सरकारी सेवाओं की राह, संजय को समय-सीमा में मिला आय प्रमाण-पत्र

विष्णु भैया के सुशासन में आमजनों को राहत, बिना भागदौड़ के समय पर मिल रहे जरूरी प्रमाण-पत्र

कोरबा (दिव्य आकाश)।

सरकारी काम के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने और लंबी प्रक्रिया से गुजरने की परेशानी अब सेवा सेतु केंद्रों की सुविधा से काफी कम हो रही है। नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न शासकीय सेवाओं के लिए आवेदन करने और निर्धारित समय-सीमा में सेवाओं का लाभ मिलने से उनके जरूरी काम सहजता से पूरे हो रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में नागरिक सुविधाओं को सरल बनाने की दिशा में सेवा सेतु केंद्र आमजनों के लिए राहत का प्रभावी माध्यम बनकर सामने आया है।

कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा तहसील निवासी संजय डिक्सेना को अपने बच्चों से संबंधित आवश्यक कार्य के लिए आय प्रमाण-पत्र की जरूरत थी। प्रमाण-पत्र समय पर मिलना उनके लिए आवश्यक था। ऐसे में उन्होंने सुतर्रा स्थित लोक सेवा सेतु केंद्र पहुंचकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन जमा करने के बाद उन्हें अपने काम के लिए अनावश्यक भागदौड़ नहीं करनी पड़ी।

सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्धारित समय-सीमा के भीतर संजय का आय प्रमाण-पत्र तैयार कर उन्हें उपलब्ध करा दिया गया। आवश्यक दस्तावेज समय पर मिल जाने से उनके बच्चों से संबंधित कार्य को पूरा करने में आसानी हुई और उन्हें कार्यालयों के चक्कर लगाने की परेशानी से भी राहत मिली।

आय प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के बाद प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संजय डिक्सेना ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से उनका काम काफी आसान हो गया। उन्होंने बताया कि आवेदन करने के बाद निर्धारित समय में प्रमाण-पत्र मिल गया। बच्चों के लिए जरूरी दस्तावेज समय पर उपलब्ध होने से उन्हें काफी सुविधा हुई और समय की भी बचत हुई। उन्होंने कहा कि पहले ऐसे कामों के लिए बार-बार जाना पड़ सकता था, लेकिन सेवा सेतु केंद्र के कारण प्रक्रिया सरल और सुविधाजनक हो गई है।

श्री डिक्सेना ने आम नागरिकों को सरलता से शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने की इस पहल की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विष्णु भैया के सुशासन में शासन की सेवाएं आम लोगों के करीब पहुंच रही हैं और बिना अनावश्यक भागदौड़ के जरूरी प्रमाण-पत्र समय पर मिलना नागरिकों के लिए बड़ी राहत है। सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से जाति, निवास, आय प्रमाण-पत्र सहित विभिन्न शासकीय सेवाओं को निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुशासन की उस सोच को मजबूत कर रही है, जिसमें शासन का उद्देश्य नागरिकों के लिए सुविधाएं बढ़ाना और उनके समय एवं श्रम की बचत करना है। सरकारी सेवा पाने की यह सरल और समयबद्ध प्रक्रिया आमजन को बहुत राहत दे रहा है।

भाठीकुड़ा देवस्थल एवं विद्यालय में किया गया पौधरोपण

कोरबा (दिव्य आकाश)।

प्रयास समाज कल्याण संस्थान एवं युवा आदर्श राजवाड़े कुर्मी समाज के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम भाठीकुड़ा स्थित देवस्थल एवं शासकीय प्राथमिक शाला प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गांव के प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मिलकर पौधा रोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृपासिंधु राजवाड़े (अध्यक्ष, केंद्रीय आदर्श राजवाड़े कुर्मी समाज) ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि आज लगाए जाने वाले पौधों का फल और छाया भले ही हमें तुरंत न मिले, लेकिन आने वाली पीढ़ियों के लिए यह अति आवश्यक और लाभदायक साबित होगा। पुराने वृक्षों की लगातार कटाई के कारण पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, इसलिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाना समय की मांग है। पेड़-पौधों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन,समय पर वर्षा,फल-फूल, छाया तथा ईंधन की लकड़ी प्राप्त होती है। मुख्य अतिथि ने इस बात पर जोर दिया कि केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि रोपे गए पौधों की सुरक्षा और देखभाल करना सबसे मुख्य और चुनौतीपूर्ण काम है। उन्होंने ग्रामीणों से पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने का अनुरोध किया। उन्होंने शासन की 'हरियर छत्तीसगढ़' योजना की सराहना करते हुए हर गांव को हरा-भरा बनाने का आह्वान किया। ग्राम भाठीकुड़ा के लोगों ने पौधों की नियमित सिंचाई और सुरक्षा (फेंसिंग) का संकल्प लिया। भविष्य में सामाजिक संगठनों द्वारा आगामी समय में अन्य क्षेत्रों, तालाबों व नदियों के किनारों पर भी वृक्षारोपण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

कार्यक्रम में राजवाड़े समाज के वरिष्ठ एवं युवा बंधुओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। युवा संरक्षक शैलेन्द्र राजवाड़े द्वारा सभी स्वजातीय बंधुओं का जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग किया, सभी का आभार प्रदर्शन एवं कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

पं. सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र ई. वी. पी. जी. कॉलेज, कोरबा में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 सितंबर तक'

कोरबा (दिव्य आकाश)।

पं. सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्र शासकीय ई. व्ही. पी. जी. महाविद्यालय, कोरबा में सभी संकायों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। इच्छुक विद्यार्थियों के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। अध्ययन केन्द्र में स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट) पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। अधिक जानकारी एवं प्रवेश संबंधी मार्गदर्शन हेतु इच्छुक विद्यार्थी सहायक कार्यक्रम समन्वयक जी.के. गढ़ेवाल मो.नं. 7489701037, समन्वयक सहायक राजेश सक्सेना मो.नं.7067043721 अध्ययन केन्द्र शासकीय ई. व्ही. पी. जी. महाविद्यालय, कोरबा (पुराना आर.टी.ओ., तहसील रोड, एन.सी.सी. कार्यालय परिसर) में संपर्क कर सकते हैं।

अंत्योदय, प्राथमिकता व दिव्यांग हितग्राहियों को मिलेगा 2 माह का एकमुश्त चावल

सार्वजनिक वितरण प्रणाली सितंबर व अक्टूबर माह के खाद्यान्न भंडारण व पारदर्शी वितरण हेतु कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

सामान्य कार्डधारकों को पूर्ववत मासिक आबंटन अनुसार होगा खाद्यान्न वितरण

7 सितंबर को चावल उत्सव का होगा आयोजन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम तथा मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना के अंतर्गत जिले के पात्र हितग्राहियों को माह सितंबर एवं अक्टूबर 2026 के आबंटित खाद्यान्न का सुचारू भंडारण और पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर कुणाल दुदावत द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार जिले के अंत्योदय, प्राथमिकता, निराश्रित एवं निःशक्तजन राशनकार्डधारियों को पात्रता अनुसार दोनों माह (सितंबर व अक्टूबर 2026) के चावल का एकमुश्त वितरण माह सितंबर 2026 में ही किया जाएगा। साथ ही सामान्य राशनकार्डधारियों के खाद्यान्न सामग्रियों का भंडारण एवं वितरण नियमित मासिक आबंटन (सितम्बर 2026) के आधार पर होगा।

हितग्राहियों तक समयबद्ध राशन आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नागरिक आपूर्ति निगम, द्वार प्रदाय योजना के अधिकृत परिवहनकर्ताओं एवं हमाली ठेकेदारों को पर्याप्त वाहनों व श्रमिकों की व्यवस्था कर उचित मूल्य दुकानों में तत्काल शत-प्रतिशत भंडारण पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं। आगामी 7 सितंबर से जिले की शासकीय उचित मूल्य दुकानों में 'चावल उत्सव' का आयोजन कर दुकान स्तरीय निगरानी समितियों की उपस्थिति में खाद्यान्न का वितरण प्रारंभ किया जाएगा। इस संबंध में सभी राशन दुकानों में सूचना पटल पर अनिवार्य प्रदर्शन के साथ-साथ स्थानीय मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं जिससे कोई भी पात्र हितग्राही जानकारी के अभाव में वंचित न रहे।

वितरण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ई-पॉस मशीन के एईपीडीएस सॉफ्टवेयर में प्रत्येक माह की राशन सामग्री के उठाव हेतु हितग्राहियों का पृथक-पृथक बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण अनिवार्य किया गया है तथा वितरण के उपरांत ई-पॉस मशीन से जनरेट रसीद हितग्राही को अनिवार्य रूप से प्रदान की जाएगी। साथ ही खाद्य विभाग, राजस्व विभाग एवं सहकारिता विभाग के संयुक्त अमले द्वारा वितरण व्यवस्था की सतत निगरानी की जाएगी ताकि केवल वास्तविक एवं लक्षित हितग्राहियों को ही लाभ मिले। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि भंडारित खाद्यान्न में किसी भी प्रकार के व्यावर्तन (कालाबाजारी/हेरफेर) की पुष्टि होने पर संबंधितों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2016 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के कड़े प्रावधानों के तहत दंडात्मक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जय टिकरी पाठ मछुवा सहकारी समिति छातापखना के मतदाता सूची जारी, दावा- आपत्ति 08 सितंबर तक आमंत्रित

कोरबा (दिव्य आकाश)। जय टिकरी पाठ मछुवा सहकारी समिति मर्यादित छातापखना विकासखण्ड पोंड़ीउपरोड़ा पंजीयन क्रमांक 320 के संचालन मंडल के निर्वाचन हेतु मतदाता सूची जारी कर दिया गया है। मतदाता सूची के सम्बंध में सदस्यों से दावा-आपत्ति 08 सितंबर 2026 तक आमंत्रित किया गया है। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एस.के.कंवर ने बताया कि दावा- आपत्ति लिखित में मय प्रमाण के साथ सोसायटी कार्यालय छातापखना में सदस्य दीपक राम अथवा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को 08 सितंबर 2026 तक कार्यालयीन समय पर प्रस्तुत किया जा सकता है। दावा- आपत्तियों का निराकरण 09 सितंबर को 12 बजे से किया जायेगा। निराकरण उपरांत अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

आईटीआई कोरबा में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन 05 सितंबर तक आमंत्रित

कोरबा (दिव्य आकाश)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोरबा में सत्र 2026-27 एवं 2026-28 में रिक्त व्यवसाय में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया है। पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण के विभागीय वेबसाइट cgiti.admissions.nic.in में जाकर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 05 सितंबर 2026 है।

सामान्य सभा की बैठक 09 सितंबर को

कोरबा (दिव्य आकाश)। जिला पंचायत कोरबा की सामान्य सभा की बैठक 09 सितंबर को प्रातः 11 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में कृषि, लोक निर्माण, जल संसाधन विभाग के कार्यों की समीक्षा की जायेगी। बैठक में 16 वें वित आयोग अन्तर्गत वर्ष 2026-27 का कार्ययोजना निर्माण एवं अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा की जायेगी।

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
प्रेम का रसपान कराने के लिए कृष्ण ने की अद्भुत लीला...।

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 04 से 10 सितम्बर 2026

बंजर जमीन पर लहलहाई ग्राफ्टेड फसल

रायगढ़ (दिव्य आकाश)।

ग्राफ्टेड टमाटर और बैंगन की खेती (जिसमें नीचे जंगली बैंगन यानी रूटस्टॉक और ऊपर टमाटर या हाइब्रिड बैंगन यानी सायन होता है) पारंपरिक खेती की तुलना में अधिक फायदेमंद और रोग-प्रतिरोधी है। यह पौधा अधिक पानी या लंबे समय तक सूखा और भारी बारिश को आसानी से सहन कर लेता है।

ग्राफ्टेड टमाटर और बैंगन की खेती 4.25 लाख की आमदनी भी अर्जित की

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड अंतर्गत ग्राम झारआमा के किसान एतवार साय पैकरा ने आधुनिक तकनीक और उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन से खेती में सफलता की नई मिसाल कायम की है। कभी अनुपयोगी और बंजर पड़ी रहने वाली जमीन पर ग्राफ्टेड टमाटर और बैंगन की खेती कर उन्होंने न केवल 187 क्विंटल का बंपर उत्पादन हासिल किया, बल्कि कुल 4.25 लाख की आमदनी भी अर्जित की।

तकनीक और सही मार्गदर्शन से मिली सफलता

किसान की जमीन गांव से दूर जंगल के समीप स्थित होने और सिंचाई साधनों के अभाव के कारण वहां खेती करना आसान नहीं था। उद्यानिकी विभाग की सलाह पर उन्होंने भूमि का समतलीकरण कराया और सिंचाई के लिए ड्रिप तकनीक एवं मल्चिंग पद्धतियों को अपनाया। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत वर्ष 2025-26 में उन्होंने 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में ग्राफ्टेड सब्जियों की बुआई की।

उत्पादन और आय का गणित

टमाटर फसल 87 क्विंटल उत्पादन कर 1 लाख 75 हजार रूपए की बिक्री की। इसी प्रकार बैंगन फसल 100 क्विंटल उत्पादन कर 2 लाख 50 हजार रूपए की बिक्री की। कुल उत्पादन व बिक्री 187 क्विंटल 4 लाख 2 5 हजार रूपए की बिक्री की। किसान को कुल लागत 1 लाख 45 हजार रूपए लगा जबकि शुद्ध लाभ 2 लाख 80 हजार रूपए का हुआ।

अतिरिक्त उत्पादन और आय की उम्मीद

वर्तमान में ग्राफ्टेड बैंगन की फसल से उत्पादन निरंतर जारी है। आने वाले समय में 150 से 200 क्विंटल अतिरिक्त उत्पादन की संभावना है, जिससे 4 से 5 लाख की अतिरिक्त आय होने का अनुमान जताया जा रहा है। एतवार साय पैकरा की इस सफलता को देखकर गांव के अन्य किसान भी आधुनिक और ग्राफ्टेड सब्जियों की खेती अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

दो दिन पहले ट्रैक्टर से सुकमा पहुंचे ग्रामीण, दो दिन बाद बाइक से गांव पहुंचे कलेक्टर-सीईओ

रायपुर (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित हो तथा ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान उनके गांव में ही सुनिश्चित किया जाए। इसी मंशा के अनुरूप सुकमा जिले में प्रशासनिक अधिकारियों ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए मेटागुड़ा गांव पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया।

मेटागुड़ा गांव के ग्रामीण दो दिन पहले स्कूल, आंगनबाड़ी भवन सहित विभिन्न मांगों को लेकर ट्रैक्टर से जिला मुख्यालय सुकमा पहुंचे थे। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने के बाद कलेक्टर अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ मुकुंद ठाकुर सहित प्रशासनिक अमला शुक्रवार को किस्ताराम से करीब 20 किलोमीटर दूर पालाचलमा पंचायत के मेटागुड़ा गांव पहुंचा। कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने बाइक से गांव पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं जानीं और मौके पर ही उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की।

सिंचाई और रोजगार के अवसरों को मिलेगा बढ़ावा

ग्रामीणों की सिंचाई सुविधा से जुड़ी मांगों को भी प्राथमिकता दी गई है। गांव में नहर विकास कार्य के साथ वीबी-जी रामजी के अंतर्गत तालाब निर्माण की स्वीकृति दी गई है। इन कार्यों से एक ओर जहां सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा, वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे।

पेड़ की छांव में लगी चौपाल, जमीन पर बैठकर सुनी ग्रामीणों की बात

गांव पहुंचने पर कलेक्टर अमित कुमार एवं अधिकारियों ने पेड़ के नीचे ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाई। कलेक्टर ने जमीन पर बैठकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और एक-एक कर उनकी मांगों की जानकारी ली। इस दौरान मेटागुड़ा में आंगनबाड़ी भवन तथा आमापेंटा में प्राथमिक शाला भवन के निर्माण के लिए तत्काल स्वीकृति आदेश जारी किए गए।

ग्रामीणों ने गांव में बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और अपनी अपेक्षाओं से प्रशासन को अवगत कराया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को मांगों पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

दो माह में बिजली पहुंचाने का आश्वासन, सड़क के लिए डीपीआर तैयार

मेटागुड़ा में बिजली सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में अधिकारियों ने लगभग दो माह की अवधि में विद्युत सुविधा पहुंचाने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया। वहीं सड़क निर्माण की मांग पर डीपीआर तैयार कर राज्य सरकार को भेजा जा चुका है। इससे गांव को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने की दिशा में प्रक्रिया आगे बढ़ी है।

सोमवार को गांव में लगेगा शिविर, ग्रामीणों को मिलेंगी शासकीय सेवाएं

ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं और आवश्यक दस्तावेजों से जोड़ने के लिए सोमवार को मेटागुड़ा में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में वोटर आईडी, आधार कार्ड, राशन कार्ड, श्रम कार्ड और आयुष्मान कार्ड से संबंधित कार्य किए जाएंगे। इससे ग्रामीणों को जरूरी दस्तावेज बनवाने और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा मिलेगी।

मेटागुड़ा में प्रशासनिक अमले के सीधे पहुंचने और ग्रामीणों के साथ संवाद करने से स्थानीय समस्याओं को मौके पर समझने तथा उनके समाधान की प्रक्रिया को गति मिली है। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल पर संतोष व्यक्त करते हुए गांव तक पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनने और तत्काल कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन का आभार जताया।

संयुक्त राष्ट्र ने 27 नवंबर को घोषित किया अंतरराष्ट्रीय दिवस, राज्य में बाल विवाह रोकथाम के प्रयासों को मिलेगा और बल

बाल विवाह के खिलाफ छत्तीसगढ़ की मुहिम को वैश्विक संकल्प से मिली नई ताकत

रायपुर (दिव्य आकाश)

बाल विवाह के खिलाफ छत्तीसगढ़ में चलाए जा रहे जागरूकता और रोकथाम के प्रयासों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 27 नवंबर को 'बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' घोषित किए जाने से नई ताकत मिली है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और अधिकारों को प्राथमिकता देते हुए बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा जिला एवं मैदानी स्तर पर जागरूकता, निगरानी और रोकथाम की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है।

यह निर्णय भारत के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 27 नवंबर 2024 को ही देश में 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान की शुरुआत की गई थी। भारत से शुरू हुई इस मुहिम को अब वैश्विक स्तर पर मान्यता मिलना बाल विवाह के खिलाफ सामूहिक प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

27 नवंबर को वैश्विक स्तर पर मजबूत होगा संकल्प

संयुक्त राष्ट्र महासभा में सिएरा लियोन द्वारा भारत सहित 67 देशों के समर्थन से प्रस्तुत प्रस्ताव को 4 सितंबर को पारित किया गया। इसके तहत 27 नवंबर को बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया है।

27 नवंबर 2024 को 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के दौरान 25 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली गई थी। अब संयुक्त राष्ट्र की घोषणा से इस अभियान को वैश्विक स्तर पर नई पहचान और व्यापक जनभागीदारी मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक बालिका को शिक्षा, सुरक्षा और विकास के समान अवसर मिलें तथा बाल विवाह जैसी कुप्रथा का पूरी तरह उन्मूलन हो। राज्य के सतत प्रयास 2030 तक बाल विवाह समाप्त करने के वैश्विक संकल्प की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में बाल विवाह की दर में आई उल्लेखनीय कमी

राज्य में बाल विवाह रोकथाम के लिए शासन, प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस, पंचायतों, स्कूलों और सामाजिक संगठनों के समन्वित प्रयासों का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार छत्तीसगढ़ में 18 वर्ष से कम उम्र में विवाह करने वाली लड़कियों का प्रतिशत 12.1 प्रतिशत था, जो राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (2023-24) में घटकर 10.1 प्रतिशत रह गया है।

बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के साथ ही राज्य में बाल संरक्षण तंत्र को मजबूत किया जा रहा है। समुदायों, पंचायतों, स्कूलों, महिलाओं, जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं और पुलिस की भागीदारी से बाल विवाह की सूचना मिलने पर समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के 33 जिलों में 8,414 बाल विवाह रुकवाए गए

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन और उसके सहयोगी संगठनों द्वारा भी राज्य में बाल विवाह रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ के 33 जिलों में 8 सहयोगी संगठनों के साथ मिलकर 8,414 बाल विवाह रुकवाए गए हैं। यह आंकड़ा राज्य में शासन और सामाजिक संगठनों के साझा प्रयासों तथा बढ़ती जनजागरूकता को दर्शाता है।

दुग्ध उत्पादन का व्यवसाय कर परिवार को बना सकते हैं सक्षम- मंत्री नेताम

रायपुर (दिव्य आकाश) ।

कृषि एवं पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम शुक्रवार को कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर अटल नगर नवा रायपुर के नवागांव में दुग्ध व्यवसाय कल्याण संघ द्वारा आयोजित भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए।

दुग्ध उत्पादन के व्यवसाय से परिवार को सक्षम बनाएं

पशुपालन मंत्री श्री नेताम ने कहा कि सबको शासकीय रोजगार मिले यह संभव नहीं है, लेकिन स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बने यह अपने हाथ में है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में व्यवसाय की काफी संभावनाएं है। गाय, भैंस पालन आमतौर पर कम लागत में घर पर आसानी हो जाता है। इस काम में महिलाएं भी विशेष रूप से हाथ बटातीं हैं। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन का व्यवसाय कर परिवार को सक्षम बना सकते हैं।

दुग्ध उत्पादन में ज्यादा से ज्यादा परिवारों और महिलाओं को रोजगार मुहैया कराना उद्देश्य

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर के 5 जिलों में दुधारू गाय पालन करने की योजना शुरू की है। इसमें कोई भी ऐसी महिलाएं जो

दुग्ध उत्पादन में रूचि रखती हैं, उन महिलाओं को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वे अपने क्षेत्र में भी दुग्ध उत्पादन में ज्यादा से ज्यादा परिवारों और महिलाओं को रोजगार मुहैया कराने के उद्देश्य ये दुग्ध उत्पादन के व्यवसाय में जोड़ने दुग्ध शीतल संयंत्र भी स्थापित किए गए हैं। दुग्ध एकत्र करने के लिए क्लस्टर तैयार किया गया है।

दुग्ध उत्पादन से महिलाएं रोजगार और आर्थिक रूप से सशक्त हुईं

इस केन्द्र में पशुपालक अपने दुध को छोड़ते, रोज दुध की एंट्री होती है और 10 दिवस के भीतर उनका भुगतान भी किया जाता है। इससे महिलाएं रोजगार और आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं। कार्यक्रम में दुग्ध कल्याण संघ के अध्यक्ष प्रकाश यदु, जिला पंचायत उपाध्यक्ष संदीप साहू, सदस्य श्रीमती ईश्वरी गिधौड़े, जनपद सदस्य संतोष यदु, नवागांव के सरपंच धर्मेन्द्र पटेल, परमानंद यादव, उद्योग यदु, गोलू हिरवानी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

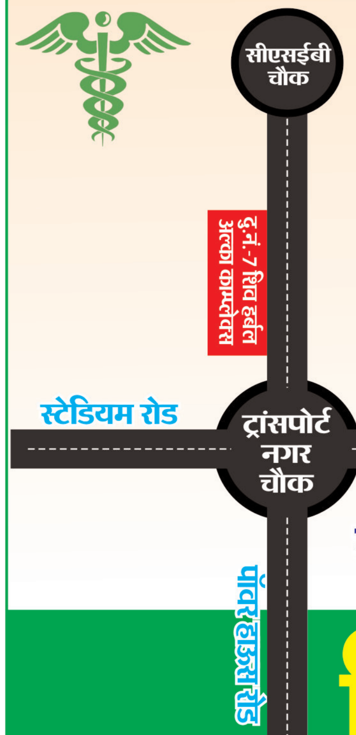

।। श्री गणेशम्किाभ्याम नमः ।। श्री धनवन्तरयै नमः ।।

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र

Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

इन बीमारियों का ईलाज
गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल मेडिकल स्टोर

शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

चिंतन

18वां ब्रिक्स से भारत सहित कई देशों के लिए अवसर

18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 12 और 13 सितम्बर को भारत में आयोजित होगा। नई दिल्ली के भारत मण्डपम में यह सम्मेलन होगा। भारत इस शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करेगा। वैश्विक परिस्थिति में लचीलापन, नवाचार, ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग मजबूत करना और ब्रिक्स देशों के बीच स्थिरता को शिखर सम्मेलन में थीम बनाया गया है। ब्रिक्स समूह में वर्तमान में कुल 11 पूर्ण सदस्य शामिल हैं, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण आफ्रीका, मिस्त्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात एवं इंडोनेशिया शामिल है। 18वां शिखर सम्मेलन में भारत की अध्यक्षता करना महत्वपूर्ण है और इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन स्वयं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आने वाले हैं। ईरान में युद्ध के बाद भी यहां का उच्च प्रतिनिधि या ईरान प्रमुख आ सकते हैं। ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन के लिए दिल्ली में एक-एक पग पर ऐसी सुरक्षा दीवार बनाई जा रही है, जहां पर परिंदे भी पंख फड़फड़ा नहीं पाएंगे। चार लेयर सुरक्षा से ब्रिक्स देशों के प्रमुखों की सुरक्षा पुख्ता रहेगी। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत सहित छोटे देशों के लिए नया अवसर है और ब्रिक्स सदस्यों के महाशक्ति देशों से छोटे देश सहयोग मांग सकते हैं। भारत के साथ भी बड़ी सुरक्षा डील हो सकती है। व्यापार पर भी कई समझौते हो सकते हैं।

-संपादक

जल्द ही Ranveer-Deepika के घर फिर से गूंजेगी किलकारी, बेबी बंप Flaunt करते हुए Dua संग शेयर की Family Photos

छत्तीसगढ़ में नीतिगत बदलावों से विकास को मिली नई रफ्तार

किसानों, महिलाओं, गरीबों और युवाओं से लेकर उद्योगों, शिक्षा, बस्तर और सुशासन तक हो रहा बड़े फैसलों का असर

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए गए बड़े नीतिगत सुधारों और जनकल्याणकारी फैसलों ने राज्य के समग्र विकास को एक नई दिशा दी है। प्रशासनिक पारदर्शिता, सुशासन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों से हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के ढाई वर्ष से ज्यादा केवल योजनाओं और घोषणाओं को जमीनी स्तर पर उतारने के ही नहीं, बल्कि कई क्षेत्रों में व्यवस्था बदलने वाले फैसलों के रहे हैं। सरकार ने एक ओर गरीब, किसान और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं को तेजी से जमीन पर उतारा, वहीं दूसरी ओर उद्योग, शिक्षा, खनिज, डिजिटल गवर्नेंस और बस्तर के विकास में लंबे समय तक असर डालने वाले नीतिगत सुधार शुरू किए।

सरकार बनने के तुरंत बाद सबसे बड़ा फैसला प्रधानमंत्री आवास को लेकर हुआ। पहली कैबिनेट में ही 18 लाख से अधिक जरूरतमंद परिवारों के आवास की स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में अब तक 24.40 लाख आवास स्वीकृत हो चुके हैं। प्रदेश में औसतन करीब 1,600 आवास प्रतिदिन पूरे किए जा रहे हैं। ढाई वर्षों में पुराने और नए स्वीकृत आवास मिलाकर 11 लाख से अधिक घर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं।

इसी तरह सरकार ने धान खरीदी को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत बनाया। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान बेचने की सुविधा दी गई। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 25.24 लाख किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया। समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना को मिलाकर किसानों को लगभग 43,723 करोड़ रुपए की राशि दी गई। खरीदी व्यवस्था में ऑनलाइन टोकन, बायोमेट्रिक सत्यापन और रियल टाइम मॉनिटरिंग जैसे सुधार किसानों के लिए काफी सुविधाजनक रहे।

महिला सशक्तिकरण साय सरकार की प्रमुख पहचान के रूप में उभरा है। महतारी वंदन योजना की 31 किस्तों में लगभग 68 लाख पात्र महिलाओं को 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे खातों में दी जा चुकी है। प्रदेश में 13.85 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। बिहान मिशन में प्रदेश के 31 लाख से अधिक गरीब परिवारों की महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हैं। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए संपत्ति की रजिस्ट्री में पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत और स्टाम्प शुल्क में एक प्रतिशत की रियायत दी गई है।

उद्योग के क्षेत्र में राज्य में निवेश लाने के साथ उद्योगों की स्थापना की प्रक्रियाओं को आसान पर जोर दिया गया। छत्तीसगढ़ ने 450 से अधिक ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधार लागू किए हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एक्ट 2026 लाने वाला राज्य देश का पहला राज्य बना। जन विश्वास सुधारों के जरिए 279 छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। वन-क्लिक सिंगल विंडो व्यवस्था, सरल भूमि डायवर्जन और रजिस्ट्री के बाद स्वत: नामांतरण जैसे सुधार किए गए हैं। नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के बाद 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे 1.72लाख से अधिक संभावित रोजगार के अवसर निर्मित होंगे।

जसं।

नक्सलवाद खत्म: अब बदलाव की चल रही बयार

बस्तर में बदलाव सरकार की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है। नक्सलवाद दशकों से बस्तर के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद के विरूद्ध निर्णायक जीत हासिल हुई है। बस्तर में सुरक्षा कार्रवाई के साथ विकास और योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने की नीति अपनाई गई, जिससे बस्तर के लोगों का भरोसा सरकार पर मजबूत हुआ। नियद नेल्ला नार 2.0 और बस्तर मुन्ने अभियान के जरिए विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। ओरछा और जगरगुंडा जैसे सुदूर क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही है। बस्तर में लगभग 10 लाख परिवारों की आय बढ़ाने के लिए 4,824 करोड़ रुपए की आजीविका उन्नयन योजना तैयार की गई है।

बस्तर के जंगलों में मौजूद सुरक्षा कैंप अब दूरदराज के गांव वालों के लिए सेवा और विकास के केंद्र बन रहे हैं। दूरस्थ गांवों में सार्वजनिक परिवहन के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा शुरू की गई है। बस्तर में सड़क, पुल, मोबाइल नेटवर्क, उचित मूल्य दुकान, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल और आंगनबाड़ी जैसी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत 34 लाख से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार किया गया है। सरकार का जोर अब बस्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर शिक्षा, पर्यटन, आजीविका और उद्योगों की नई पहचान देने पर है।

समसामयिक: काक्रोचों (जेन-जी) ने भाजपा-कांग्रेस को दे दिया बड़ा मुद्दा

विपक्ष के हर मुद्दे की काट खोज लेते हैं मोदी

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

राहुल गांधी बार-बार कहते फिरते हैं कि मोदी, राहुल से डर गए हैं, लेकिन मोदी देश का नेतृत्व 12 साल से यूं ही नहीं कर रहे हैं। कुछ तो बात होगी, मोदी में। आज देश की जनता मोदी के एक-एक शब्द पर विश्वास क्यों करती है ? इस पर राहुल गांधी सहित पूरे विपक्ष को चिंतन करने की आवश्यकता है। आज कुछ माह से देश में काक्रोचों की ही बातें हो रही है। दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर संसद तक इनका मार्च सरकार को सोचने पर मजबूर कर दिया। काक्रोचों ने अपना पहला आंदोलन ऐसा सटीक मुद्दे को लेकर किया, जिसमें जेन-जी की बड़ी संख्या में सहभागिता ने काक्रोचों के आंदोलन को सफल ही नहीं बनाया, जेन-जी ने सरकार को सोचने पर मजबूर कर दिया और काक्रोचों के सामने सरकार को झूकना पड़ा। पहले शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देने मजबूर कर दिया, इतना ही नहीं काक्रोचों पर हुई एफआईआर को भी रद्द कराने में काक्रोच सफल हो गए। मोदी के कार्यकाल में ऐसा पहली बार हो रहा है, जिसमें जेन-जी ने अपनी ताकत दिखाई और मोदी जैसी सरकार को झूकने पर मजबूर कर दिया।

काक्रोचों के इस आंदोलन ने देश में एक नई चर्चा की शुरूआत कर दी। दिल्ली के बाद झारखंड सहित कुछ अन्य प्रदेशों में भी जेन-जी ने अपनी ताकत दिखा दी। अब पूरे देश में बहस छिड़ गया है कि जेन-जी के बिना सरकार का गठन मुश्किल है। पहले मुद्दे को राहुल गांधी ने लपका और कई प्रदेशों में जाकर छात्रों की गूंज अभियान के तहत युवा संवाद के जरिए युवाओं को साधने में लग गए।

मोदी (भाजपा) कहां पीछे रहने वाले... मोदी ने राहुल के छात्रों की गूंज के सामानांतर युवा संवाद अभियान का श्रीगणेश कर दिया। भाजपा के धुरंधरों, प्रदेश के मंत्रियों सहित प्रशासन को भी युवा संवाद कार्यक्रम में लगा दिया, ताकि काक्रोचों द्वारा तैयार किया गया एन्टीकन्बेंसी पर कंट्रोल किया जा सके।

काक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपना पहला और सफल आंदोलन 06 जून 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर से प्रारंभ किया, जिसमें देश के प्रख्यात वैज्ञानिक और समाजसेवी सोनम वांगचूक का समर्थन मिलने के बाद सीजेपी ने युवाओं में ऐसा जोश भरा कि देश भर के जेन-जी जंतर-मंतर पहुंचने लगे। युवाओं में जोश था और पेपर लीक के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग को लेकर जेन-जी आंदोलनरत हुए और सोनम वांगचूक ने आमरण अनशन प्रारंभ कर दिया। 26 दिन तक जान जोखिम में डालकर वांगचूक युवा बेरोजगारों, कालेजियन स्टूडेंट्स के लिए लड़ते रहे। मोदी सरकार के कान में जूं तक नहीं रेंगी, जेन-जी को क्रोध आया और संसद मार्च के लिए देशभर के युवाओं से आह्वान किया। मोदी सरकार को झूकना पड़ा और सरकार ने अपना प्रतिनिधि मंडल स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा और राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह से वार्ता कराई। दोनों मंत्रियों ने काक्रोचों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़े रहे और अंततः धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। जेन-जी के आंदोलन शुरू होते ही मोदी सरकार हरकत में आई और नीट पेपर लीक के दोषियों को खोजने ताबड़तोड़ छापा मारा गया और तीन दिन के अंदर ही सभी आरोपी जेल के सलाखों के बीच पहुंचा दिया गया।

आंदोलन में कुछ असामाजिक तत्वों ने दिल्ली सहित बिहार में तोड़फोड़ एवं आगजनी की घटना को अंजाम दे दिया। बच्चों में युवा जोश होता है, लेकिन वे राष्ट्र की सम्पत्ति को कभी नुकसान नहीं पहुंचा सकते। एन्टी मोदी टीम ने ही देश की सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया। सभी आंदोलनरत जेन-जी के खिलाफ विभिन्न थाना-चौकियों में एफआईआर दर्ज की गई। काक्रोच का गुस्सा थमने को नाम ही नहीं ले रहा था। पेपर लीक के आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, शिक्षामंत्री ने इस्तीफा दिया, लेकिन काक्रोचों के लिए एक नई मांग खड़ी हो गई। काक्रोच फिर संसद मार्च के लिए देश भर के युवाओं को आह्वान किया, लेकिन आंदोलन से पहले मोदी का प्रतिनिधि मंडल सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और सीजेपी आंदोलन में उन युवाओं के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की गुहार लगाई। सुप्रीमकोर्ट ने आदेश दिया कि देशभर में सीजेपी के उन कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर रद्द की जाती है, जिनके खिलाफ आंदोलन से पहले किसी भी थाना या चौकी में अपराध पंजीबद्ध न हो।

काक्रोच की जीत हुई, लेकिन सीजेपी के आंदोलन ने देश में नई बहस छोड़ दी और लोकतांत्रिक देश में युवाओं के बिना सत्ता में आना मुश्किल ही नहीं असंभव है।

राहुल गांधी ने सीजेपी के आंदोलन के बाद मुद्दे को लपक लिया और दिल्ली सहित कई प्रदेशों में छात्रों की गूंज अभियान का श्रीगणेश कर दिया। 16 जून 2026 से राहुल गांधी ने कई यूनिवर्सिटी का दौरा किया और युवाओं को संबोधित किया और युवाओं को साधने में लग गए। मोदी को भी लगा कि सीजेपी द्वारा पैदा की गई एन्टीकंबेंसी का डैमेज कंट्रोल जरूरी है और उन्होंने देशभर में युवा संवाद अभियान का श्रीगणेश कर दिया। उन्होंने भाजपा के केन्द्रीय मंत्रियों सहित भाजपा शासित राज्यों के मंत्रियों, भाजपा के धुरंधर नेताओं सहित प्रशासन को भी युवा संवाद कार्यक्रम में जोड़ दिया, ताकि काक्रोच द्वारा पैदा किया गया युवा संगठन विपक्ष के खेमे में न चला जाए। मोदी ने स्वयं बड़ोदरा में महाराजा सयाजी राव यूनिवर्सिटी कैम्पस में रैम्पवॉक किया और 06 हजार से अधिक जेन-जी से संवाद किया। भाजपा का यह अभियान महीनों चलने वाला है।

नदी किनारे की माटी में समृद्धि का नया अध्याय

नदी किनारे की उपजाऊ मिट्टी (कछार की भूमि) हमेशा से सभ्यताओं के विकास और कृषि समृद्धि का केंद्र रही है। आज के आधुनिक युग में, परंपरागत खेती से आगे बढ़कर इस माटी का उपयोग ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदलने और समृद्धि का एक नया अध्याय लिखने के लिए किया जा रहा है। धमतरी जिले में नदियों के कछार में बसने वाले गांवों की खेती अब एक नया मोड़ लेने जा रही है। जिले की नदियों -महानदी, पैरी, सोंढूर और खारून के किनारे स्थित 152 गांवों में परंपरागत कृषि को अधिक टिकाऊ, जोखिममुक्त और लाभदायक बनाने के लिए एक व्यापक फसल विविधीकरण कार्ययोजना तैयार की गई है। इस महत्वाकांक्षी पहल से लगभग 38 हजार किसान और 30,841.96 हेक्टेयर कृषि रकबा सीधे तौर पर लाभान्वित होगा।

यह योजना धान की खेती को विस्थापित करने के लिए नहीं, बल्कि किसान को केवल एक फसल के भरोसे रहने की मजबूरी से बाहर निकालने के लिए बनाई गई है। सितंबर- अक्टूबर से शुरू होने वाले इस अभियान के तहत भूमि की प्रकृति, जलभराव और सिंचाई की उपलब्धता के अनुसार खेती का नया मॉडल लागू किया जाएगा।

भूमि की ढाल और क्षमता के अनुसार 3 विशेष जोन

नदी तटवर्ती क्षेत्रों की विविध भू-आकृति को ध्यान में रखते हुए जिले को तीन प्रमुख कृषि जोनों में बांटा गया है। अति निम्न एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में जलभराव वाली जमीनों में धान की मुख्य फसल के साथ-साथ खस, बच और लेमन ग्रास जैसी औषधीय फसलों को बढ़ावा मिलेगा। मध्यम ऊंचाई एवं मौसमी जलभराव वाले क्षेत्र में धान की कटाई के तुरंत बाद कम अवधि वाली दलहन, तिलहन और सब्जियों की खेती की जाएगी। इसी तरह ऊंची एवं बेहतर जल निकासी वाली भूमि क्षेत्र में औषधीय फसलों, फलदार वृक्षों, सब्जियों और जैविक-प्राकृतिक खेती के क्लस्टर तैयार किए जाएंगे।

रबी फसलों का गणित- 5,458 हेक्टेयर में नया खाका

किसानों की आय में बढ़ोतरी के लिए रबी सीजन में 5,458.90 हेक्टेयर क्षेत्र में वैकल्पिक फसलों का आच्छादन प्रस्तावित किया गया है। आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित करने के लिए रबी सीजन में दलहनी फसलों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है, जिसके तहत अकेले चने की बोआई 3,244.10 हेक्टेयर में होगी। इसके अलावा, गेहूं को 662.80 हेक्टेयर, सरसों को 472.50 हेक्टेयर और मक्के को 243.90 हेक्टेयर में उगाने का लक्ष्य है।

दलहन और तिलहन सुरक्षा को मजबूती देते हुए उड़द 214.80 हेक्टेयर, मूंग 178.70 हेक्टेयर, मूंगफली 142.20 हेक्टेयर और सूरजमुखी सहित अन्य फसलों को 39 हेक्टेयर में लिया जाएगा। साथ ही, उच्च मूल्य वाली औषधीय फसलों के लिए भी 110.60 हेक्टेयर का रकबा प्रस्तावित किया गया है।

जल संरक्षण और मृदा संवर्धन की एकीकृत रणनीति

खेती के साथ-साथ नदियों और तटीय भूमि को बचाने के लिए माइक्रो-वाटरशेड मॉडल पर कार्य होगा। धमतरी और मगरलोड विकासखंड में 36 नालों की सफाई, 19 फार्म पॉण्ड, 17 सोकपिट तथा 7 चेकडैम/एमआईटी सुधार का प्रस्ताव है। इसी तरह 75 नदी तटवर्ती गांवों में तटीय घास और पौधे लगाए जाएंगे ताकि मिट्टी के कटाव को रोका जा सके। धमतरी, कुरूद, मगरलोड और नगरी में वैकल्पिक फसलों के प्रत्यक्ष प्रदर्शन (Field Demos) आयोजित होंगे, जिससे किसान तकनीक को बेहतर समझ सकें। फसल विविधीकरण का उद्देश्य किसानों को उनकी जमीन के अनुरूप अधिक विकल्प उपलब्ध कराना, खेती के जोखिम को कम करना और आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित करना है। यह दूरदर्शी पहल न केवल धमतरी के किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगी, बल्कि राज्य में जल संरक्षण और जलवायु-अनुकूल कृषि के लिए एक नजीर साबित होगी।

सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस
जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...
एलआईसी का
जीवन उत्सव
उत्सव मनाने का गारंटीड तरीका
Plan No.: 871
UIN: 512N363V01
आजीवन गारंटीड रिटर्न के साथ
ऑनलाइन भी उपलब्ध
पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प
● सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
● प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
● नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
● न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख
एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना
एलआईसी है तो कहीं और क्यों जाना...
LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ
सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-
सालिक राम राजवाड़े
(बीमा अभिकर्ता)
वेदांत बीमा सेवा केंद्र
कार्यालय : प्रेस क्लब तिलक भवन के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
मो.नं.-90987-52955

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बालको की बढ़ती भूमिका

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास की कहानी में कुछ संस्थानों का योगदान केवल उनके उत्पादन आंकड़ों से नहीं आंका जा सकता। उनका वास्तविक प्रभाव रोजगार, स्थानीय अर्थव्यवस्था, युवाओं के लिए अवसर और समाज में आए सकारात्मक बदलावों से समझा जाता है। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ऐसी ही औद्योगिक यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वर्ष 1965 में स्थापित बालको आज छत्तीसगढ़ की औद्योगिक पहचान का प्रमुख स्तंभ है। वर्ष 2001 में वेदांता समूह के प्रबंधन में आने के बाद कंपनी ने उत्पादन क्षमता, ऊर्जा, तकनीक और अधोसंरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार किया। वर्तमान में बालको की एल्यूमिनियम स्मेल्टर क्षमता 5.95 लाख टन प्रतिवर्ष है और विस्तार परियोजना के बाद यह बढ़कर 1 मिलियन टन प्रतिवर्ष हो जाएगी। यह विस्तार केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाने की परियोजना नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश, रोजगार, व्यापार और स्थानीय विकास के अगले चरण की नींव है।

उद्योग से बढ़ती स्थानीय अर्थव्यवस्था की ताकत

बालको का प्रभाव उसके संयंत्र परिसर तक सीमित नहीं है। कंपनी के विकास के साथ कोरबा और बालकोनगर की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिली है। प्रत्यक्ष रोजगार के साथ व्यवसायिक साझेदारों, परिवहन, लॉजिस्टिक्स, सेवाओं तथा छोटे-बड़े स्थानीय व्यवसायों के लिए अवसर बढ़े हैं। पिछले एक दशक में बालको ने छत्तीसगढ़ राज्य और केंद्र सरकार के राजस्व में लगभग 29,000 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। देश की औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने में भी बालको की महत्वपूर्ण भूमिका है। कंपनी अपने उत्पादन का लगभग 90 प्रतिशत एल्यूमिनियम घरेलू बाजार में उपलब्ध कराती है। एल्यूमिनियम आधुनिक अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण धातुओं में शामिल है और परिवहन, निर्माण, ऊर्जा, रक्षा तथा अंतरिक्ष जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में इसका उपयोग लगातार बढ़ रहा है। बालको ने देश की वैज्ञानिक और रणनीतिक परियोजनाओं के लिए एल्यूमिनियम की आपूर्ति में भी योगदान दिया है।

1 मिलियन टन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

बालको अपनी विकास यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव पर है और 1 मिलियन टन वार्षिक उत्पादन क्षमता के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। 525 किलो एम्पीयर पॉटलाइन से फर्स्ट मेटल उत्पादन शुरू होना क्षमता विस्तार यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह उपलब्धि नई तकनीक, बेहतर दक्षता और भविष्य की औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप संचालन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

यह विस्तार केवल बालको की उत्पादन क्षमता में वृद्धि नहीं है, बल्कि इससे क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों के और विस्तार की संभावनाएं भी जुड़ी हैं। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर पैदा होने, स्थानीय व्यवसायों को गति मिलने तथा व्यवसायिक साझेदारों, लॉजिस्टिक्स, सेवा क्षेत्र और स्थानीय उद्यमों के लिए नए अवसर बनने की संभावना है। इस तरह बालको का आर्थिक प्रभाव संयंत्र से निकलकर कोरबा और आसपास के क्षेत्रों तक पहुंचता है।

सुरक्षा के साथ विकास की संस्कृति

औद्योगिक विकास के साथ सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बालको कर्मचारियों और व्यवसायिक साझेदारों के लिए नियमित प्रशिक्षण, सुरक्षा प्रथम, 'असुरक्षित कार्य को ना कहना' मॉक ड्रिल, आपातकालीन प्रतिक्रिया और सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है। कंपनी की 'सुरक्षा संकल्प' पहल सुरक्षित कार्य संस्कृति को और मजबूत करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। सुरक्षा को संचालन का अभिन्न हिस्सा बनाकर बालको सुरक्षित कार्यस्थल, जागरूक कार्यबल और जिम्मेदार औद्योगिक संचालन की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है।

सतत विकास के साथ औद्योगिक प्रगति

एल्यूमिनियम उत्पादन के साथ पर्यावरणीय स्थिरता को संतुलित करना बालको की विकास रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कंपनी ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण, पौधारोपण, इलेक्ट्रिक वाहनों और कम कार्बन उत्सर्जन वाले उत्पादों के माध्यम से अधिक टिकाऊ औद्योगिक विकास की दिशा में काम कर रही है।

रिस्टोरा लो-कार्बन एल्यूमिनियम इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो कम कार्बन उत्सर्जन वाले एल्यूमिनियम की बढ़ती मांग को पूरा करने की दिशा में योगदान देता है। औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित करने का यह प्रयास भविष्य के अधिक टिकाऊ उद्योग की दिशा को दर्शाता है।

तकनीक और नवाचार से स्मार्ट उद्योग की ओर

औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के बदलते दौर में तकनीक और नवाचार की भूमिका लगातार बढ़ रही है। बालको अपने संचालन को अधिक स्मार्ट, सुरक्षित और कुशल बनाने के लिए डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डेटा आधारित समाधानों को अपना रहा है।

उत्पादन प्रक्रियाओं में डिजिटल निगरानी और स्मार्ट समाधान परिचालन दक्षता, गुणवत्ता तथा सुरक्षा को बेहतर बनाने में मदद कर रहे हैं। तकनीक आधारित यह परिवर्तन कंपनी को भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए तैयार करने के साथ उत्पादन प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार की संस्कृति को मजबूत कर रहा है।

विकसित भारत की औद्योगिक यात्रा में योगदान

भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में मजबूत घरेलू धातु क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। बुनियादी ढांचे से लेकर रक्षा, ऊर्जा, परिवहन और अंतरिक्ष तक, देश की विकास यात्रा गुणवत्तापूर्ण धातुओं की उपलब्धता से जुड़ी है। ऐसे में बालको का बढ़ता उत्पादन, तकनीकी क्षमता और नवाचार देश की औद्योगिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करने में योगदान दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ से विकसित भारत की दिशा में बालको की यात्रा अब एक औद्योगिक संयंत्र की विकास कहानी से आगे बढ़कर रोजगार, तकनीक, नवाचार, आर्थिक विकास और राष्ट्र निर्माण की कहानी बन चुकी है। 1 मिलियन टन की ओर बढ़ता बालको उत्पादन क्षमता के विस्तार के साथ देश की बढ़ती एल्यूमिनियम जरूरतों को पूरा करने की दिशा में भी अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। आने वाले वर्षों में क्षमता विस्तार, तकनीकी नवाचार और सतत विकास के माध्यम से बालको भारतीय एल्यूमिनियम उद्योग को नई गति देने की दिशा में आगे बढ़ेगा। छत्तीसगढ़ की धरती पर शुरू हुई यह औद्योगिक यात्रा अब राष्ट्र निर्माण के बड़े लक्ष्य से जुड़ चुकी है। बालको का अगला अध्याय केवल अधिक एल्यूमिनियम उत्पादन का नहीं, बल्कि अधिक अवसर, अधिक नवाचार और अधिक विकास गढ़ने का है।

बालको की उत्पादन क्षमता होगी 10 लाख टन-सीईओ राजेश कुमार सिंह

हॉट मेटल की सीधी आपूर्ति से बढ़ेगा डाउनस्ट्रीम उद्योग, रोजगार और निवेश को मिलेगा बढ़ावा

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

बालको उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ कोरबा को एल्युमिनियम डाउनस्ट्रीम उद्योगों का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में काम कर रहा है। विस्तारित परियोजना पूरी होने के बाद बालको की एल्युमिनियम उत्पादन क्षमता 10 लाख टन प्रति वर्ष हो जाएगी, जिससे वेदांता एल्युमिनियम की कुल क्षमता लगभग 28.5 लाख टन प्रति वर्ष पहुंच जाएगी और समूह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा एल्युमिनियम उत्पादक बन जाएगा।

उक्त बातें मीडिया से चर्चा के दौरान बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी व पूर्णकालिक निदेशक (सीईओ) राजेश कुमार सिंह ने कही। श्री सिंह ने बताया कि निजीकरण के समय बालको की उत्पादन क्षमता केवल एक लाख टन थी। लगातार निवेश और आधुनिक तकनीक के उपयोग से इसे पांच लाख टन तक पहुंचाया गया। नए स्मेल्टर की स्थापना के बाद उत्पादन क्षमता बढ़कर 10 लाख टन प्रति वर्ष हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह विस्तार केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं होगा, बल्कि कोरबा को देश के प्रमुख एल्युमिनियम केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा एल्युमिनियम पार्क के निर्माण से यहां स्थापित होने वाले लघु और मध्यम उद्योगों को सीधे हॉट मेटल उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे परिवहन लागत घटेगी और मूल्य संवर्धित एल्युमिनियम उत्पादों का निर्माण बढ़ेगा। इससे स्थानीय रोजगार और औद्योगिक निवेश को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि औद्योगिक विकास के साथ स्थानीय समाज का विकास भी समान रूप से होना चाहिए। इसी सोच के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में लगातार निवेश किया जा रहा है, ताकि औद्योगिक विकास का लाभ स्थानीय लोगों तक पहुंच सके।

बर्रा कोल ब्लाक को 2028 तक विकसित करने का लक्ष्य

सीईओ राजेश कुमार सिंह ने बताया कि उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ ऊर्जा और कोयले की आवश्यकता भी बढ़ेगी। इसी को ध्यान में रखते हुए रायगढ़ जिले के बर्रा कोल ब्लाक को वर्ष 2028 तक विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके शुरू होने पर कंपनी की बाहरी स्त्रोतों से कोयला खरीद पर निर्भरता कम होगी। वर्तमान में बालको अपने कैप्टिव बिजली संयंत्र से आवश्यकता पूरी करने के बाद लगभग 300 मेगावाट अतिरिक्त बिजली खुले बाजार में बेच रहा है।

बालको में भी कैंसर उपचार सुविधा विकसित करने की संभावना पर विचार

राजेश कुमार सिंह ने बताया कि वेदांता समूह के रायपुर स्थित कैंसर अस्पताल की तर्ज पर बालको क्षेत्र में भी विशेष कैंसर उपचार सुविधा विकसित करने की संभावना पर विचार किया जा रहा है। प्रस्ताव का तकनीकी परीक्षण किया जाएगा। योजना साकार होने पर कोरबा और आसपास के जिलों के मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी।

फोरलेन निर्माण के लिए बालको उपलब्ध करा चुका है 30 करोड़

श्री सिंह ने कहा कि परसाभाटा से रूमगरा तक फोरलेन सड़क निर्माण के लिए बालको, प्रशासन को 30 करोड़ रुपए उपलब्ध करा चुका है। बारिश के बाद निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। सड़क बनने से भारी वाहनों का दबाव कम होगा और बालको क्षेत्र में लंबे समय से बनी जाम की समस्या से राहत मिलेगी।

बालको ने आपसी विश्वास, स्नेह और एकजुटता के पर्व रक्षाबंधन को धूमधाम से मनाया

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने कर्मचारियों और समुदाय के साथ आपसी विश्वास, स्नेह और एकजुटता के प्रतीक रक्षाबंधन का उत्सव मनाया। इस अवसर पर कर्मचारियों ने सुरक्षा कर्मियों की कलाई पर राखी बांधकर उनके समर्पण और सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने में योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं, समुदाय के साथ उत्सव मनाकर बालको ने आपसी संबंधों को और मजबूत करने तथा साझा विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बालको में रक्षाबंधन को सुरक्षा और विश्वास से जोड़ते हुए विभिन्न विभागों के करीब 150 कर्मचारियों ने महिला, पुरुष, ट्रांसजेंडर और सुरक्षा कर्मियों की कलाई पर राखी बांधी। इस पहल के माध्यम से कर्मचारियों ने उन कर्मियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की, जो हर दिन कार्यस्थल पर सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राखी का यह धागा आपसी विश्वास, जिम्मेदारी और सुरक्षित कार्य संस्कृति के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक बना।

रक्षाबंधन के अवसर पर बालको की उन्नति परियोजना से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी उत्सव में भागीदारी की। महिलाओं ने अपने हाथों से तैयार की गई राखियां बालको के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारियों की कलाई पर बांधीं। यह पहल उन्नति परियोजना के माध्यम से महिलाओं में विकसित आत्मविश्वास, कौशल और उद्यमशीलता की भावना को दर्शाती है। महिलाओं के लिए आय के नए अवसर तैयार करने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में उन्नति परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

वहीं, बालको अस्पताल में भी रक्षाबंधन की विशेष झलक देखने को मिली। बालको की उन्नति परियोजना से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अस्पताल के डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों की कलाई पर राखियां बांधकर उनके समर्पण और सेवाभाव के प्रति आभार व्यक्त किया।

डॉक्टरों ने भी महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कर्मियों और समुदाय के बीच विश्वास, सम्मान और अपनत्व के रिश्ते को मजबूत करने का माध्यम बनी।

कंपनी ने नंद घर के बच्चों के साथ भी रक्षाबंधन का उत्सव मनाया। नंद घर के बच्चों ने स्वयं अपने हाथों से सुंदर राखियां तैयार कीं और एक-दूसरे की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और आपसी सहयोग का संदेश दिया। बच्चों के लिए यह गतिविधि रचनात्मकता के साथ-साथ भारतीय त्योहारों और पारिवारिक मूल्यों को समझने का अवसर भी बनी। नंद घर वेदांता समूह की सामुदायिक विकास पहल का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास और महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। बालको अपने परिचालन क्षेत्र के समुदायों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में निरंतर पहल कर रहा है।

बालको द्वारा आयोजित रक्षाबंधन उत्सव ने कर्मचारियों और समुदाय के बीच विश्वास, सम्मान और अपनत्व के रिश्ते को और मजबूत किया। त्योहार की खुशियों को साझा करते हुए सभी ने सहयोग, सुरक्षा और सामुदायिक विकास की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

बालको ने डिजिटल कंट्रोल टावर्स के माध्यम से प्रचालन को बनाया अधिक स्मार्ट

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने लॉजिस्टिक्स और प्रचालन को अधिक स्मार्ट और कनेक्टेड बनाने की दिशा में पांच एआई-सक्षम डिजिटल कंट्रोल टावर्स को एकीकृत किया है। ये कंट्रोल टावर्स कोयला लॉजिस्टिक्स, फिनिश्ड प्रोडक्ट, फ्लाई फ्लाई ऐश प्रबंधन, आंतरिक वाहनों और अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े संचालन को एक साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाते हैं। इससे महत्वपूर्ण प्रचालन गतिविधियों की रियल-टाइम निगरानी, बेहतर समन्वय और डेटा आधारित निर्णय लेने में मदद मिल रही है। यह पहल तकनीक-सक्षम और मजबूत घरेलू विनिर्माण मूल्य श्रृंखला विकसित करने की भारत की व्यापक दिशा के अनुरूप है।

इस डिजिटल व्यवस्था में जीपीएस, आईओटी आधारित वाहन ट्रैकिंग, एआई आधारित वीडियो टेलीमैटिक्स, जियो-फेंसिंग और रियल-टाइम एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। इनके माध्यम से लॉजिस्टिक्स गतिविधियों की शुरुआत से अंत तक निगरानी और बेहतर प्रबंधन संभव हो रहा है। एजेंटिक एआई से लैस ये कंट्रोल टावर्स उपलब्ध आंकड़ों का विश्लेषण कर प्रचालन के रुझानों को समझने, संभावित आवश्यकताओं की पहचान करने और समय पर कार्रवाई के लिए सुझाव देने में मदद करते हैं। इससे संसाधनों के बेहतर उपयोग, प्रक्रियाओं में अनुशासन और प्रचालन की प्रभावशीलता को बढ़ावा मिलता है।

कोयला लॉजिस्टिक्स कंट्रोल टावर कोयले के परिवहन की डिजिटल ट्रैकिंग और मूवमेंट प्लानिंग में मदद करता है। इससे कोयले की आवाजाही की निगरानी और आपूर्ति श्रृंखला में बेहतर समन्वय सुनिश्चित होता है। फिनिश्ड प्रोडक्ट कंट्रोल टावर प्लांट के भीतर तैयार उत्पादों की आवाजाही को डिजिटल रूप से प्रबंधित करता है। इसमें डिजिटल प्रूफ ऑफ डिलीवरी, जियो-फेंसिंग आधारित रूटिंग और ट्रैफिक मैनेजमेंट जैसी सुविधाएं शामिल हैं, जो उत्पादों की आवाजाही को अधिक व्यवस्थित बनाती हैं। फ्लाई ऐश मैनेजमेंट कंट्रोल टावर राख की आवाजाही और निर्धारित मार्गों की रियल-टाइम निगरानी करता है। इससे राख के परिवहन की बेहतर ट्रैकिंग, संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन और पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन में सहायता मिलती है। वेस्ट मैनेजमेंट कंट्रोल टावर अपशिष्ट पदार्थों की आवाजाही और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुपालन की निगरानी करता है, जिससे बेहतर ट्रेसबिलिटी और जवाबदेही सुनिश्चित होती है।

वहीं, इंटरनल व्हीकल कंट्रोल टावर प्लांट परिसर में संचालित तकनीकी और उपयोगिता वाहनों की केंद्रीकृत निगरानी करता है। इसमें मीडियम टैक्टिकल व्हीकल्स (एमटीवी), लाइट मीडियम टैक्टिकल व्हीकल्स (एलटीवी), फोर्कलिफ्ट, हाइड्रा, कैंपर और बस जैसे वाहन शामिल हैं। इन सभी वाहनों को साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने से उनकी गतिविधियों की निगरानी और प्रबंधन अधिक सुव्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है।

ये कंट्रोल टावर्स बालको की व्यापक डिजिटलाइजेशन रणनीति का हिस्सा हैं। वाहनों, मार्गों, आवाजाही और अन्य प्रचालन गतिविधियों से प्राप्त आंकड़ों को एकीकृत कर यह व्यवस्था टीमों को महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स कार्यों की समग्र जानकारी उपलब्ध कराती है। इससे प्रचालन में होने वाले बदलावों की पहचान, प्रदर्शन का विश्लेषण और आवश्यक कार्रवाई तेजी से करने में मदद मिलती है।

कंट्रोल टावर्स के माध्यम से कच्चे माल, फिनिश्ड प्रोडक्ट, आंतरिक वाहनों और विनियमित अपशिष्ट की आवाजाही में बेहतर निगरानी और समन्वय स्थापित हुआ है। इससे जवाबदेही, संसाधनों के बेहतर उपयोग और आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती को बढ़ावा मिल रहा है।

एल्यूमिनियम उद्योग तेजी से तकनीक आधारित और कनेक्टेड विनिर्माण व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। इस दिशा में बालको आधुनिक तकनीकों और औद्योगिक अनुभव के संयोजन से अपनी डिजिटल क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है। पांच डिजिटल कंट्रोल टावर्स का एकीकरण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो बालको के प्रचालन को अधिक एकीकृत, प्रभावी और भविष्य के लिए तैयार बनाने में योगदान दे रहा है।

एकलव्य विद्यालय छुरी में विद्यार्थियों से वन-टू-वन संवाद कर जानी समस्याएं, शिक्षकों की अनुपस्थिति पर जताई नाराजगी

शिक्षक दिवस पर कलेक्टर कुणाल दुदावत बने शिक्षक, विद्यार्थियों को पढ़ाया मेहनत और अनुशासन का पाठ

अनुपस्थित 8 शिक्षकों को नोटिस जारी करने के निर्देश, पानी सहित अन्य समस्याओं के शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

विद्यार्थियों को नीट-जेईई की आवासीय कोचिंग और उच्च शिक्षा के लिए जिला प्रशासन की सहायता की दी जानकारी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

शिक्षक दिवस के अवसर पर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने एक शिक्षक की भूमिका निभाते हुए प्रधानमंत्री एकलव्य आवासीय विद्यालय, छुरी पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया और उन्हें विद्यार्थी जीवन में अनुशासन, कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय, समर्पण और लक्ष्य के प्रति एकाग्रता का महत्व बताया। कलेक्टर ने कक्षा-कक्ष में विद्यार्थियों के बीच बैठकर उन्हें सफलता का मंत्र दिया और कहा कि विद्यार्थी जीवन दोबारा लौटकर नहीं आता। यही समय है जब पूरी मेहनत और लगन से अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ा जाए।

मोबाइल से दूरी बनाकर पढ़ाई पर दें पूरा ध्यान

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अभी विद्यार्थी जीवन में पढ़ाई सर्वोच्च प्राथमिकता है। मोबाइल की लत अध्ययन के स्तर और एकाग्रता को प्रभावित कर सकती है। विद्यालय में मोबाइल लाना अनुशासन के अनुरूप नहीं है। यदि किसी विद्यार्थी के पास मोबाइल है, तो उसे तत्काल जमा करा देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम या किसी विषय को लेकर कठिनाई होने पर मोबाइल का सहारा लेने के बजाय शिक्षक से अपनी शंकाओं का समाधान कराएं। शाम के समय होने वाली कक्षाओं में भी शिक्षक से अपनी शंकाएं पूछें और विषय को बेहतर ढंग से समझें।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपने माता-पिता की उम्मीदों को पूरा करने के लिए विद्यार्थियों को पूरी ईमानदारी और मेहनत से पढ़ाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि अभी मेहनत कर सफलता हासिल कर ली, तो जीवन में कभी पछतावा नहीं होगा। विद्यार्थी के भीतर अनुशासन, कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय, लक्ष्य पर नजर और समर्पण जैसे गुण सफलता की नींव होते हैं।

कक्षा में जाकर विद्यार्थियों से वन-टू-वन संवाद

कलेक्टर ने विद्यालय की कक्षा आठवीं, नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं के विद्यार्थियों से कक्षा में जाकर वन-टू-वन चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ-साथ भोजन, आवासीय व्यवस्था, पानी और अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

कक्षा 12वीं साइंस के विद्यार्थियों से संवाद के दौरान कलेक्टर ने उन्हें फिजिक्स के सवाल हल करने के लिए दिए। विद्यार्थियों द्वारा निर्धारित समय में सवाल हल नहीं कर पाने पर उन्होंने संबंधित शिक्षक को शिक्षण व्यवस्था में आवश्यक सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षक उनके भविष्य को बेहतर बनाने के लिए मार्गदर्शन करते हैं। विद्यार्थियों को अपने शिक्षकों की बात माननी चाहिए और यदि उन्हें पढ़ाई में किसी विषय को लेकर कठिनाई हो तो शिक्षक से अपनी शंका का समाधान कराना चाहिए। यह सोचकर कि शिक्षक उन्हें ठीक से नहीं पढ़ा रहे हैं और उनकी बात नहीं मानना अपने भविष्य को नुकसान पहुंचाना है।

अनुपस्थित शिक्षकों पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यालय के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान कुछ शिक्षक एवं कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इस पर कलेक्टर श्री दुदावत ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए प्राचार्य को सख्त हिदायत दी। उन्होंने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग श्रीकांत कसेर को अनुपस्थित पाए गए आठ शिक्षकों—पीजीटी/टीजीटी शिक्षक दीपेंद्र, तरुण कुमार, तरुण कुमार पैकरा, संदीप राज, संदीप यादव, पवन कुमार, ऊषा एवं अशोक—को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शिक्षा और उनके सर्वांगीण विकास की जिम्मेदारी शिक्षकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

पानी की समस्या जल्द होगी दूर

विद्यार्थियों ने कलेक्टर के समक्ष विद्यालय में पानी की समस्या सहित अन्य छोटी-छोटी समस्याओं की जानकारी दी। कलेक्टर ने बताया कि क्षेत्र में जलस्तर नीचे होने के कारण बोर असफल हो गए हैं। विद्यार्थियों को आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा कि पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नई पाइपलाइन बिछाई जा रही है और जल्द ही समस्या दूर हो जाएगी।

उन्होंने प्राचार्य और सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग को विद्यालय की अन्य छोटी-छोटी समस्याओं का भी प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही भोजन और आवासीय व्यवस्था की भी जानकारी लेकर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

समस्या हो तो सीधे बताएं, जिला प्रशासन करेगा समाधान

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए जिला प्रशासन हमेशा तत्पर है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपना मोबाइल नंबर उपलब्ध कराते हुए कहा कि वे यह नंबर अपने माता-पिता को भी दें। जब माता-पिता विद्यालय आएं तो उन्हें अपनी समस्याओं के बारे में बताएं और आवश्यकता होने पर जिला प्रशासन तक अपनी बात पहुंचाएं।

उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी कहा कि विद्यालय में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर सबसे पहले अपने शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को अवगत कराएं, ताकि उसका तत्काल समाधान किया जा सके।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'आपका लक्ष्य जितना बड़ा होगा, आपकी मेहनत भी उतनी ही बड़ी होनी चाहिए। आज की मेहनत ही आपके कल का भविष्य तय करेगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग श्रीकांत कसेर सहित विद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

नीट-जेईई की आवासीय कोचिंग और उच्च शिक्षा में जिला प्रशासन करेगा मदद

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को जिला प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे शैक्षणिक अवसरों की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि जो विद्यार्थी डॉक्टर या इंजीनियर बनना चाहते हैं और नीट अथवा जेईई की तैयारी के लिए कोचिंग लेना चाहते हैं, उनके लिए जिला प्रशासन द्वारा आवासीय कोचिंग की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने यह भी बताया कि उच्च शिक्षा के लिए देश के किसी भी सरकारी कॉलेज या महत्वपूर्ण संस्थान में चयन होने पर, अथवा डॉक्टर-इंजीनियरिंग जैसी व्यावसायिक शिक्षा के लिए शुल्क की आवश्यकता होने पर जिला प्रशासन द्वारा संबंधित संस्था को आवश्यक शुल्क उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छे अंक प्राप्त कर बेहतर संस्थानों में प्रवेश लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

कलेक्टर ने बताया कि अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को देश के महत्वपूर्ण संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए मन लगाकर पढ़ाई करें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

सूरज का जन्मदिन गिरोह का जश्न

कोरबा/कुसमुण्डा (दिव्य आकाश)। राजनीतिक में उभरता सितारा सूरज महंत का जन्मदिन 01 सितम्बर को कोरबा जिले के कई स्थानों में मनाया गया और सूरज महंत भी अधिकांश कार्यक्रमों में शामिल हो कर लोगों का अभिवादन किया। कुसमुण्डा में एक नजारा ऐसा दिखा, जिसमें गिरोह के लोग सूरज का महामाला से स्वागत कर जन्मदिन का जश्न मनाया।

ये गिरोह के लोग वही हैं, जो करीब दो साल पहले जब सुश्री सरोज पाण्डेय लोकसभा का चुनाव लड़ रही थीं और कुसमुण्डा में टेंट लगाकर ये भाजपा में शामिल होने बड़ा कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे, लेकिन कटघोरा विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध के बाद इनका टेंट उखड़ गया और सरोज पाण्डेय उक्त कार्यक्रम में पहुंची ही नहीं और इनकी भाजपा में एंट्री नहीं हो पाई। भाजपा में एंट्री न होने के कारण अब फिर श्रीमती ज्योत्सना महंत से नजदीकी बढ़ाने में लगे हुए हैं।

ब्लाक कांग्रेस का कार्यक्रम था और कोई फोटो खिंचाता है तो खुशी के क्षण में मना भी नहीं कर सकते- मनोज चौहान

गिरोह का महामाला के साथ सूरज महंत का स्वागत राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है और यह फोटो जमकर वायरल हो रही है। एक कांग्रेस नेता ने उक्त फोटो दिव्य आकाश को उपलब्ध कराई, जिसमें सूरज महंत ऐसे लोगों से अनजान, महामाला से स्वागत स्वीकार कर लिया, लेकिन इस उभरते सितारे को फूंक-फूंक कर कदम रखना होगा, ताकि राजनीति में कलंक जैसे शब्द न आए।

प्रतिक्रिया जानने दिव्य आकाश प्रतिनिधि ने जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण जिला अध्यक्ष मनोज चौहान से प्रतिक्रिया जानी, जिस पर उन्होंने कहा कि कुसमुण्डा में सूरज महंत का जन्मदिन कार्यक्रम ब्लाक कांग्रेस कमेटी का था, जिसमें प्रमुख रूप से वे स्वयं मनोज चौहान, जिला अध्यक्ष शहर मुकेश राठौर, पूर्व जिला अध्यक्ष हरीश परसाई, ब्लाक अध्यक्ष संजय आजाद, डा. देवेश, श्रीमती प्रभा कंवर, परमानंद सिंह, आर बी मिश्रा, नवल किशोर पंडित, अमित भदोरिया, श्यामू सलाम, निक्की कुकरेजा, आशा साहू, पालकी कुजूर, भुवनेश्वरी दास, प्रदीप अग्रवाल, अनिल गुप्ता, विनोद सारथी सहित युवा कांग्रेस, इंटक एवं तीन महिला समूह की महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना अंतर्गत पशुधन विकास विभाग के संकेतकों की पूर्ति हेतु एकदिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति के दिए निर्देश

कोरबा (दिव्य आकाश)।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना अंतर्गत पशुधन विकास विभाग के निर्धारित संकेतकों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के सभी विकासखंडों में मैदानी स्तर पर कार्यरत पशु चिकित्सकों, पैरावेट्स, पीएआईडब्ल्यू एवं पशु सखियों सहित कुल 145 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर कुणाल दुदावत ने विभागीय अधिकारियों एवं मैदानी अमले को योजना के अंतर्गत निर्धारित सभी संकेतकों की पूर्ति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कृत्रिम गर्भाधान, टीकाकरण, किसान क्रेडिट कार्ड एवं हरा चारा विकास से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के साथ संचालित करने तथा निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के लिए प्रभावी मैदानी कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा।

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. एस.एन. मिश्रा ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत विभागीय कार्यक्रमों एवं निर्धारित संकेतकों की पूर्ति के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने मैदानी स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा लक्ष्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. मयंक गोस्वामी ने कृत्रिम गर्भाधान विषय पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सीमेन के उचित रखरखाव, कृत्रिम गर्भाधान के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा अधिकतम गर्भधारण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तकनीकी बिंदुओं को उदाहरण सहित समझाया।

इसी क्रम में डॉ. एच.के. सोनी ने मदकाल की पहचान, समाकालन एवं संबंधित तकनीकी प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के संकेतकों की पूर्ति के लिए पशु रोग नियंत्रण, टीकाकरण तथा विभागीय गतिविधियों के प्रभावी संचालन से संबंधित जानकारी भी प्रदान की गई।

पत्रकारवार्ता: जयसिंह अग्रवाल ने कहा- झीरम का फैसला, आधा अधूरा न्याय

कोरबा (दिव्य आकाश)। 13 साल पूर्व झीरम में हुए नक्सली वारदात पर एनआईए कोर्ट ने कल 05 सितम्बर को 10 लोगों पर दोष सिद्ध होने का फैसला सुनाया, 16 सितम्बर को इनकी सजा पर फैसला आ सकता है। 06 सितम्बर को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कोरबा जिला मुख्यालय के कांग्रेस कार्यालय में पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कांग्रेसियों की उपस्थिति में प्रेसवार्ता ली और कहा कि एनआईए कोर्ट ने जो फैसला सुनाया, उस पर टिप्पणी करना गलत होगा, लेकिन झीरम कांड की जांच एनआईए ने पूरी तरह से निष्पक्ष नहीं की और कोर्ट ने वही फैसला सुनाया, जो एनआईए ने तथ्य पेश किए। झीरम कांड का फैसला आधा अधूरा न्याय है। जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि प्रारंभ में एनआईए ने जो चालान पेश किया था, उसमें बड़े नक्सली नेताओं का नाम था, उनसे न तो आज तक पूछताछ की गई और न ही उन्हें आज तक गिरफ्तार किया गया।

तत्समय के प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, पूर्व केन्द्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, महेन्द्र कर्मा सहित 32 कांग्रेस नेताओं की मौत ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था और तत्समय के केन्द्र सरकार ने झीरम कांड पर एनआईए जांच करने टीम का गठन किया और 13 साल बाद एनआईए कोर्ट ने झीरम कांड में 10 लोगों को दोषी माना, जो आधा अधूरा न्याय जैसा है।

हमने जांच के लिए एसआईटी का गठन किया, लेकिन जांच रूकवा दी गई- पूर्व मंत्री

प्रेसवार्ता में जयसिंह अग्रवाल ने कहा जब प्रदेश में हमारी सरकार आई, तो हमने झीरम कांड को अंजाम देने वाले साजिश कर्ताओं एवं दोषियों को बेनकाब करने के लिए एसआईटी का गठन किया, लेकिन केन्द्र सरकार ने इसकी इजाजत नहीं दी और जांच रूकवा दी। हमारी जांच एजेंसी से सभी बेनकाब हो सकते थे, लेकिन जांच नहीं होने दिया गया। एनआईए ने न तो मुख्य साजिशकर्ताओं के नामों का खुलासा किया और न ही बड़े सफेदपोश नेताओं एवं बड़े नक्सली लीडरों के नामों का खुलासा किया। एनआईए कोर्ट का फैसला आधा अधूरा न्याय है।

16 सितम्बर के बाद कांग्रेस की आगे की रणनीति बनेगी-जयसिंह

जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि दोषियों को 16 सितम्बर को एनआईए कोर्ट सजा सुनाएगा, उसके बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी आगे की रणनीति तय करेगी।

बड़े नक्सली नेताओं के बिना इतना बड़ा कांड संभव नहीं-पूर्व मंत्री

एनआईए कोर्ट का फैसला आने के बाद जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि झीरम कांड का वारदात बड़े नक्सली नेताओं के ईशारे पर हुआ था और एनआईए ने तत्समय छोटे 10 नक्सलियों को गिरफ्तार किया, जबकि एफआईआर दर्ज करते समय एनआईए ने पहले कई बड़े नक्सली नेताओं का नाम शामिल किया था, जो आज तक न तो गिरफ्तार हुए और न ही उनसे पूछताछ की गई और एफआईआर दर्ज होने के बाद कुछ समय के बाद उनका नाम हटा दिया गया। जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि इस फैसले से घटना की साजिश का पर्दाफाश नहीं हो सकता।

कई सवाल आज भी जिन्दा हैं?

एनआईए ने साजिशकर्ताओं के नामों का आखिर खुलासा क्यों नहीं किया? कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा से सुरक्षा क्यों हटाई गई?

यात्रा के मार्ग को किसने और क्यों बदलाव किया?

हमले की योजना किसके द्वारा बनाई गई थी?

जब-जब बड़े नक्सलियों समर्पण किया, तब-तब सरकार ने दावा किया कि यह झीरम हमले में शामिल थे, एनआईए ने इनसे पूछताछ क्यों नहीं की?

झीरम कांड में घायल चश्मदीद गवाह थे, उनसे एनआईए ने पूछताछ क्यों नहीं की?

झीरम कांड में घायल और बचे पीड़ितों का बयान एनआईए ने क्यों नहीं लिया? कई बार पीड़ितों ने शपथ पत्र दे कर जांच एजेंसियों के सामने पेश हुए, लेकिन चालान में उनका बयान दर्ज नहीं किया गया। झीरम कांड के हफ्तों बाद भी मृतकों, घायलों का पर्स, मोबाईल एवं महत्वपूर्ण दस्तावेज घटना स्थल पर पड़े हुए थे, किसी का भी मोबाईल जांच एजेंसियों ने जब्त नहीं किया?

एसआईटी जांच क्यों रूकवाई गई?

एनआईए ने तात्कालीन मुख्यमंत्री, गृहमंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी, एडीसी (नक्सल आपरेशन) से कब पूछताछ की, इसका खुलासा करें?

जांच के दायरे में आए बड़े नक्सली नेताओं का नाम क्यों हटाया गया?

शुरूआत में एनआईए की एफआईआर में दो प्रमुख नक्सली नेता गणपति (मुपल्ला लक्ष्मण राव) और रमन्ना का नाम शामिल था, इनके नाम क्यों हटाए गए, जबकि 21 मार्च 2014 को गणपति और रमन्ना सहित 26 फरार आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था, उनका नाम एकाएक क्यों हटा दिया गया?

एनआईए की एफआईआर में देवा (बारसे सुक्का उर्फ देवा) का नाम झीरम कांड में शामिल था और एनआईए ने वांछित भी घोषित किया था, ईनाम भी घोषित किया था, फिर उससे पूछताछ क्यों नहीं हुई।

एनआईए ने जिन 26 लोगों का नामजद कर फरार घोष्ित किया था, उसमें बसवराजू, गणेश उईके, रूपेश उर्फ संजीव, सुरेन्द्र उर्फ रामचन्द्र रेड्डी, जयदेव उर्फ बड्डादेव सोनू उर्फ भूपति के नाम थे। इनमें से अनेकों ने आत्मसमर्पण किया, लेकिन एनआईए इनसे पूछताछ नहीं की जबकि इन्हें दोषी मान लिया गया था।

झीरम कांड में शामिल सरेन्डर नक्सलियों से कब पूछताछ हुई, इसका खुलासा होना चाहिए

भाजपा नहीं चाहती, सच सामने आए-जयसिंह

जयसिंह अग्रवाल ने कहा भाजपा चाहती ही नहीं, कि सच सामने आए। भाजपा के वरिष्ठ नेता धरमलाल कौशिक न्यायिक जांच आयोग के खिलाफ स्टे लेकर आ गए थे, हमने एसआईटी का गठन किया तो एनआईए जांच के बहाने एसआईटी जांच रूकवा दी गई। जब सुप्रीम कोर्ट ने हमारी एसआईटी के पक्ष में फैसला दिया तो ढाई साल में विष्णु देव सरकार ने जांच तक प्रारंभ नहीं करवाई। एनआईए की जांच अधूरी है और कहीं न कहीं एनआईए ने निष्पक्ष जांच नहीं की और कोर्ट ने वही फैसला दिया जो एनआईए ने तथ्य पेश किए।

झीरम कांड में शामिल कई नक्सली नेताओं का नाम आया था, ये नाम निम्नलिखित हैं, जिनसे एनआईए ने पूछताछ तक नहीं की, उनमें चैतू उर्फ श्याम दादा, 25 लाख रूपए का ईनाम घोषित था और बस्तर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

रूपेश उर्फ मोल्ला ने सरेन्डर के बाद सार्वजनिक रूप से बयान दिया था कि झीरम घाटी नरसंहार संगठन की एक बड़ी गलती और नीतिगत विफलता थी।

निर्मला उर्फ सुमित्रा पर 20 लाख का ईनाम था और झीरम कांड में अग्रिम मोर्चे और लाजिस्टिक सपोर्ट में सक्रिय रही।

01 करोड़ का ईनामी भूपति उर्फ सोनू दादा ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की उपस्थिति में गढ़चिढ़ौली में सरेन्डर किया था।

केन्द्रीय समिति सदस्य सुजाता ने सितम्बर 2025 में तेलंगाना में सरेन्डर किया था और छत्तीसगढ़ सरकार ने 40 लाख तथा तेलंगाना सरकार ने 25 लाख का ईनाम घोषित किया था। इसके अलावा जयसिंह अग्रवाल ने प्रेसवार्ता में कई सवाल खड़े किए और फैसला को अधूरा न्याय बताया।

पत्रकारवार्ता में जयसिंह अग्रवाल के अलावा कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष ग्रामीण मनोज चौहान, शहर मुकेश राठौर पूर्व विधायक श्याम लाल कंवर, कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष गजानंद प्रसाद साहू, पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद, बीएन सिंह, पालूराम साहू, रवि चंदेल, आनंद जायसवाल, सपना चौहान, कुसूम द्विवेदी, सुरेश अग्रवाल, मनमोहन राठौर, मनीष शर्मा, केडी महंत सहित कांग्रेस, महिला कांग्रेस के सदस्य शामिल थे।

बालको ने 'वरदान' अपार्टमेंट का किया उद्घाटन, युवा कर्मचारियों को मिला नया आवास

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने कर्मचारी कल्याण और टाउनशिप विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'वरदान' अपार्टमेंट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश कुमार सिंह और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में युवा कर्मचारियों को उनके नए आवास की चाबियां सौंपी गईं।

'वरदान' अपार्टमेंट को बालको के युवा कर्मचारियों की आवासीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। 'वरदान' नाम शुभता और समृद्धि का प्रतीक है। इसी भावना के साथ इस आवासीय परिसर को आधुनिक जीवनशैली और बेहतर सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। जी+9 संरचना वाले 'वरदान' अपार्टमेंट में कुल 172 सुसज्जित आवास हैं। प्रत्येक आवास को वन बीएचके स्टूडियो अपार्टमेंट की अवधारणा पर तैयार किया गया है, जो खास तौर पर युवा कर्मचारियों की जरूरतों को ध्यान में रखता है।

प्रत्येक आवास में मॉड्यूलर किचन, टेलीविजन, फर्निश्ड अलमारी, सोफा-कम-बेड तथा फ्रिज और वॉशिंग मशीन जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन सुविधाओं से कर्मचारियों को अपने नए घर में आराम और सुविधा के साथ रहने में मदद मिलेगी। परिसर में तीन लिफ्ट, आधुनिक कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण की व्यवस्था, सुरक्षित वातावरण और लगभग 35,000 वर्गफुट का हरित एवं मनोरंजन क्षेत्र विकसित किया गया है। इसके अलावा कैफेटेरिया-कम-डाइनिंग स्पेस और बैंक्वेट हॉल जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। ये सुविधाएं कर्मचारियों को साथ एक साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध कराएंगी।

'वरदान' अपार्टमेंट में पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखा गया है। परिसर में 50 किलोवाट सौर ऊर्जा उत्पादन की व्यवस्था की गई है। यह बालको और वेदांता समूह के स्थायित्व लक्ष्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जल संरक्षण के लिए 80 किलोलीटर प्रतिदिन (80 हजार लीटर) क्षमता वाला सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और तीन वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनाई गई हैं। इन व्यवस्थाओं से पानी के बेहतर उपयोग और संरक्षण में मदद मिलेगी।

कर्मचारियों के जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाएगा वरदान

'वरदान' अपार्टमेंट केवल रहने की जगह नहीं है, बल्कि यह बालको की कर्मचारी-केंद्रित सोच का हिस्सा है। इसका उद्देश्य कर्मचारियों को काम के साथ-साथ बेहतर जीवन के लिए भी सुविधाजनक और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। आधुनिक सुविधाओं से तैयार यह परिसर कर्मचारियों को बेहतर जीवन, आपसी जुड़ाव और नई शुरुआत का अवसर प्रदान करता है। यह पहल बालको की कर्मचारी कल्याण और टाउनशिप में जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बालको की प्रगति में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका, प्रबंधन कर्मचारियों के लिए भी सुखद वातावरण के लिए प्रतिबद्ध -सीईओ राजेश कुमार सिंह

इस अवसर पर राजेश कुमार सिंह ने कहा, 'बालको की प्रगति में हमारे कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनका कल्याण हमारी विकास यात्रा का एक अहम हिस्सा है। हमारा प्रयास है कि ऐसा वातावरण बनाया जाए, जहाँ कर्मचारी कार्यस्थल के साथ-साथ अपने घर और समुदाय में भी बेहतर जीवन जी सकें। 'वरदान' अपार्टमेंट इसी दिशा में एक कदम है। यह हमारे युवा कर्मचारियों को सुविधाजनक और बेहतर आवास उपलब्ध कराएगा, जिससे उनकी रोजमर्रा की जरूरतें आसानी से पूरी हो सकेंगी। हमें विश्वास है कि यह बालकोनगर में बेहतर जीवनशैली और सुखद आवासीय वातावरण बनाने के हमारे प्रयासों को और मजबूती देगा।'

कलेक्टर कुंदन कुमार ने कांकेर शहर का किया पैदल निरीक्षण

कांकेर (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर कुंदन कुमार ने कांकेर शहर के नए बस स्टैंड क्षेत्र एवं मेला भाटा का पैदल निरीक्षण कर शहर की स्वच्छता व्यवस्था सहित विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति एवं व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शहर की स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने सड़कों की नियमित एवं बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क के बीच बने डिवाइडरों में लगाए गए पौधों की नियमित सिंचाई करने तथा शहर की स्वच्छता व्यवस्था की निगरानी के लिए प्रतिदिन सुबह वार्डों का निरीक्षण करने हेतु एसडीएम, तहसीलदार एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देशित किया।

कलेक्टर कुंदन कुमार ने मेला भाटा के समीप नवनिर्मित 5 हजार लीटर क्षमता की पेयजल टंकी का निरीक्षण किया और शहर में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ली। टंकी का निर्माण पूर्ण होने के बावजूद इससे पेयजल आपूर्ति प्रारंभ नहीं होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने एक सप्ताह के भीतर टंकी से पेयजल आपूर्ति प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित सब इंजीनियर के मौके पर अनुपस्थित पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को संबंधित सब इंजीनियर के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। नए बस स्टैंड के समीप स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण करते समय कलेक्टर की मुलाकात शहीद रामकुमार यादव शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं से हुई। छात्राएं शिक्षक दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रही थीं। कलेक्टर ने छात्राओं से कविता, पहाड़ा एवं गीत आदि सुनाने को कहा। छात्राओं द्वारा 'रेला' पाठ सुनाए जाने पर कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त की और छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कलेक्टर ने मेला भाटा स्थित दूधावा तालाब का भी निरीक्षण किया। उन्होंने तालाब के सौंदर्यीकरण से संबंधित कार्यों की जानकारी ली तथा तालाब विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में आवश्यक कार्यों का विस्तृत एस्टीमेट तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश मुख्य नगरपालिका अधिकारी को दिए। निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद कांकेर एसडीएम श्रीमती सरस्वती बंजारे को कलेक्टर ने शहर में संचालित अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शिक्षक भविष्य के शिल्पकार - लॉयन अग्रवाल

नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा में मनाया गया गुरुजन सम्मान समारोह

कोरबा/मड़वारानी (दिव्य आकाश)।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल द्वारा नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुडा मड़वारानी में शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर गुरुजन सम्मान समारोह का आयोजन पीएमजेएफ लायन डॉ राजकुमार अग्रवाल (पूर्व प्रान्तपाल) के मुख्य आतिथ्य में संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में एमजेएफ लायन पवन अग्रवाल-रीजन चेयरमेन व लायन मनोज गुप्ता-जोन चेयरमेन विशिष्ट आतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल के अध्यक्ष लायन दर्शन अग्रवाल ने की।

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती जी एवं डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। तत्पश्चात् विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती शोमा सोनी द्वारा स्वागत उद्बोधन द्वारा अतिथि एवं लायन सदस्यों का स्वागत करते हुये विद्यालय की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की। इसके बाद छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षक दिवस से संबंधित विभिन्न सास्कृतिक कार्यक्रमों, भाषणों एवं गीतों की प्रस्तुति दी गई, जिसकी सभी ने बहुत प्रशंसा की।

अपने उद्बोधन में क्लब अध्यक्ष लायन दर्शन अग्रवाल ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाईयां प्रेषित करते हुये कहा कि यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हमारे जीवन में गुरू का स्थान कितना ऊँचा है। शिक्षक हमें सदैव आत्मविश्वास दिलाते हैं

और सफलता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देते हैं, इसलिए हमें सदैव अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए। इसके बाद रीजन चेयरमेन एमजेएफ लायन पवन अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में बच्चों को जीवन में शिक्षकों के महत्व के बारे में बताते हुये सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाईयां दी। साथ ही विद्यालय के फाउंडर चेयरमेन एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल द्वारा शिक्षकों को शुभकामनाएँ देते हुये कहा कि शिक्षक भविष्य के शिल्पकार होते हैं। शिक्षक, बिना किसी भेदभाव के सभी छात्रों पर समभाव रखते हुये शिक्षा प्रदान करते हैं। हम अपने जीवन में कहीं भी रहें, हमें अपने शिक्षकों का सम्मान सदैव करना चाहिए। उद्बोधन पश्चात् अतिथि एवं लायन सदस्यों द्वारा शिक्षकों को सम्मान स्वरूप उपहार भेंट किया गया।

उक्त समारोह में क्लब सचिव लायन सुरेन्द्र कुमार डनसेना, उप प्राचार्या श्रीमती मनोरमा शर्मा, लायन सुभाषचंद अनंत सहित समस्त शिक्षक एवं छात्रगण, लायंस कोरबा गुरूकुल के सदस्य उपस्थित थे।

कलेक्टर ने डभरा विकासखंड के हीरापुर और बरगुड़हा मे डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य का किया औचक निरीक्षण

सक्ती (दिव्य आकाश)।

सक्ती जिले की नवपदस्थ कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन ने डभरा विकासखंड के ग्राम हीरापुर और बरगुड़हा में मौके पर पहुंचकर डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्यों का औचक निरीक्षण किया। उन्होने मौके पर उपस्थित राजस्व अधिकारियों को किसानों के खेतों तक जाकर ही उचित ढंग से डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्यों का निरीक्षण करने, मौके पर उपलब्ध सभी संरचनाओ का उल्लेख कराने और फसलों का बिना किसी त्रुटि के सही-सही रकबा इंद्राज कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती जैन ने डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य मे लगे सभी राजस्व अधिकारियों को सर्वे के कार्यो को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी से सर्वे के कार्यों का निरीक्षण करने के स्पष्ट निर्देश दिए है। उन्होंने कहा है कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या त्रुटि पाए जाने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

ज्ञातव्य है कि कलेक्टर ने डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य के लिए विगत दिवस राजस्व अधिकारियों को आदेश जारी कर डिजिटल क्रॉप सर्वे का फील्ड व भौतिक सत्यापन का कार्य 15 सितंबर 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। जिसमें सभी खसरो का भौतिक सत्यापन कर ऑनलाइन फसल प्रविष्टि की जाएगी साथ ही धान की किस्म, पेड़, मकान, सिंचाई के साधन इत्यादि की प्रविष्टि का प्रावधान है। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों से चर्चा करते हुए फसल की सिंचाई, फसल की स्थिति तथा कृषि संबंधी अन्य जानकारियां लेते हुए किसानों से अन्य आवश्यक जानकारिया ली। डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य के निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ वासु जैन, अनुविभागीय अधिकारी डभरा विनय कश्यप, तहसीलदार मनमोहन प्रताप सिंह, तहसीलदार संजय मिंज, तहसीलदार आशीष पटेल, सहित संबंधित किसान, पटवारी, राजस्व निरीक्षक इत्यादि उपस्थित थे।

नोडल अधिकारी नियुक्त

कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन ने आदेश जारी कर जिले में डिजिटल क्रॉप सर्वे (DCS) की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं भौतिक सत्यापन के लिए जिले के सभी अपर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, आरआई, पटवारी सहित राजस्व अमला को फिल्ड स्तर पर सर्वेक्षण कार्य का स्थल निरीक्षण और भौतिक सत्यापन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जारी आदेश के अनुसार डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य के लिए जिले में राजस्व अधिकारियों को जिला स्तर, अनुभाग स्तर, तहसील स्तर, राजस्व निरीक्षक मंडल अंतर्गत संबंधित क्षेत्रों का सत्यापन करने हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर ने कहा है कि शासन की प्राथमिकता वाले डिजिटल क्रॉप सर्वे Digital Crop Survey (DCS) कार्य आगामी धान खरीदी व्यवस्था से बहुत ही महत्वपूर्ण संबंध रखता है।

मिनी माता सम्मान वर्ष 2026 हेतु नामांकन 25 सितंबर तक आमंत्रित

कोरबा (दिव्य आकाश)। भारत सरकार द्वारा महिलाओं, विशेष रूप से अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक महिलाओं के उत्थान हेतु उत्कृष्ट कार्य करने वाले राज्य की एक महिला/अशासकीय संस्था को ''मिनी माता सम्मान (महिला उत्थान)'' प्रदान किया जाता है। जिसके तहत् एक महिला/संस्था को 2.00 लाख रूपए की राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका सम्मान के रूप में प्रदान किया जाता है। जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित स्क्रीनिंग समिति द्वारा छान-बीन के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियां राज्य शासन को भेजी जायेगी। आवेदन पत्र 25 सितम्बर 2026 तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग कोरबा में निर्धारित प्रारूप में जमा किया जा सकता है।

माता बहादुर कलारिन सम्मान वर्ष 2026 हेतु नामांकन 25 तक

कोरबा (दिव्य आकाश)। राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष, नारी उत्थान हेतु अभूतपूर्व कार्य करने वाली महिला को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से ''माता बहादुर कलारिन सम्मान'' प्रदान किया जाता है। जिसके तहत् एक महिला को 2.00 लाख रूपए की राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका सम्मान के रूप में प्रदान किया जाता है। जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित स्क्रीनिंग समिति द्वारा छान-बीन के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियां राज्य शासन को भेजी जायेगी। आवेदन पत्र 25 सितम्बर 2026 तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग कोरबा में निर्धारित प्रारूप में जमा किया जा सकता है।

।। श्री गणेशम्किाभ्याम नमः ।। श्री धनवन्तरयै नमः ।।

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र

Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16

सीएसईबी चौक | स्टेडियम रोड | ट्रांसपोर्ट नगर चौक | मुड़ापार रोड

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

इन बीमारियों का ईलाज
गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल मेडिकल स्टोर
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com